website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 52 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 01 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

मासिक धर्म को मौलिक अधिकार मानना ऐतिहासिक, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का अशोक गहलोत ने किया स्वागत

जयपुर । सुप्रीम कोर्ट द्वारा मासिक धर्म स्वास्थ्य को मौलिक अधिकार घोषित किए जाने के बाद देशभर में इसकी सराहना हो रही है। इस ऐतिहासिक फैसले पर अब राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस निर्णय का खुलकर स्वागत करते हुए इसे महिलाओं के सम्मान, गरिमा और समान अधिकार की

दिशा में बड़ा कदम बताया है। अशोक गहलोत ने बयान जारी कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार मानना एक ऐतिहासिक और दूरगामी प्रभाव वाला फैसला है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल स्वास्थ्य सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की सोच बदलने और महिलाओं व बालिकाओं के आत्मसम्मान को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। गहलोत ने विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश की सराहना की, जिसमें देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने और उनके लिए अलग व सुरक्षित शौचालय की व्यवस्था अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सुविधाओं के अभाव में अक्सर लड़कियों की पढ़ाई प्रभावित होती है और कई छात्राएं स्कूल छोड़ने तक को मजबूर हो जाती हैं। ऐसे में यह फैसला जमीनी स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने राजस्थान में उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई 'उड़ान योजना' का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत बेटियों और महिलाओं को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराए गए, जिससे स्वास्थ्य और गरिमा दोनों को प्राथमिकता दी गई। गहलोत ने दावा किया कि राजस्थान इस दिशा में अग्रणी राज्य रहा है। अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार से अपील की कि राजस्थान की तर्ज पर पूरे देश में ऐसी योजनाएं लागू की जाएं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिला सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। वहीं, कोर्ट ने आदेशों के उल्लंघन पर सख्ती का संदेश देते हुए निजी स्कूलों की मान्यता रद्द करने तक की चेतावनी भी दी है।

भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक, एक दशक बाद रणनीतिक साझेदारी को मिलेगी नई दिशा

नई दिल्ली। लगभग एक दशक के अंतराल के बाद भारत की राजधानी नई दिल्ली में शनिवार को भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक (India–Arab Foreign Minis-

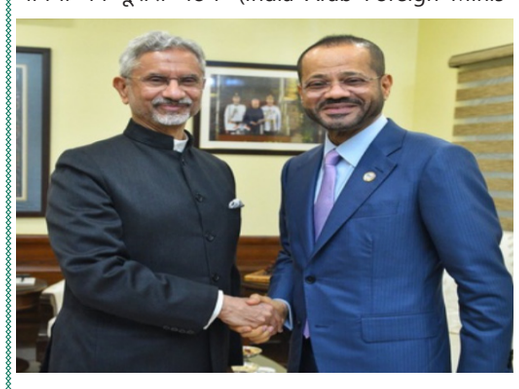

ters' Meeting – IAFMM) आयोजित की जा रही है। इस उच्चस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए ओमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित कई अरब देशों के विदेश मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि दिल्ली पहुंचे हैं। इस बैठक को भारत और अरब देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक सहयोग को नई मजबूती देने वाला अहम मंच माना जा रहा है। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी और यूएई के विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री खलीफा शाहीन अल मरार शनिवार को बैठक में शामिल होने के लिए नई दिल्ली पहुंचे। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यूएई प्रतिनिधि के स्वागत की जानकारी साझा करते हुए कहा कि यह यात्रा भारत-यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने में सहायक होगी। वहीं, ओमान के विदेश मंत्री के स्वागत पर मंत्रालय ने कहा कि उनकी यात्रा से भारत-ओमान के बहुआयामी रणनीतिक संबंधों को नया बल मिलेगा। इससे पहले शुक्रवार को लीबिया के विदेश मंत्री एल्ताहर एस एम एलबौर, सोमालिया के विदेश मंत्री अब्दिसलाम अली और कतर के विदेश राज्य मंत्री सुल्तान बिन साद अल मुरैखी भी बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। इस महत्वपूर्ण बैठक की सह-अध्यक्षता भारत और संयुक्त अरब अमीरात करेंगे। बैठक में अरब लीग के सभी 22 सदस्य देशों के विदेश मंत्री या उनके वरिष्ठ प्रतिनिधि, साथ ही अरब लीग के महासचिव भी हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत-अरब विदेश मंत्रियों की यह बैठक 2016 के बाद पहली बार हो रही है। इससे पहले पहली बैठक बहरीन में आयोजित की गई थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह मंच भारत और अरब राज्यों की लीग (LAS) के बीच सहयोग को दिशा देने वाला सबसे बड़ा संस्थागत ढांचा है। मार्च 2002 में हुए एमओयू के बाद दोनों पक्षों के बीच संवाद का औपचारिक तंत्र स्थापित हुआ था। उम्मीद है कि यह बैठक भारत-अरब साझेदारी को और गहराई देगी।

सुनेत्रा पवार ने ली महाराष्ट्र के डिप्टी CM पद की शपथ, गूंजे 'अजित दादा अमर रहे' के नारे

मुंबई। सुनेत्रा पवार ने शनिवार (31 जनवरी) को महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के दिवंगत नेता और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम रहे अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने उनके विमान हादसे में निधन के बाद उपमुख्यमंत्री पद संभाला। इसके साथ ही सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बन गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान 'अजित दादा अमर रहे' के नारे भी लगे। अजित पवार के निधन के तीन दिन बाद शनिवार को सुनेत्रा पवार को सर्वसम्मति से NCP विधायक दल का नेता चुना गया। विधायक दल की बैठक में वरिष्ठ नेता दिलीप वालसे पाटिल ने सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने किया।

- **विधान भवन परिसर में NCP विधायक दल की हुई बैठक**

इससे पहले दक्षिण मुंबई स्थित विधान भवन परिसर के भूतल पर दिवंगत नेता अजित पवार के कार्यालय में NCP विधायक दल की अहम बैठक हुई। बैठक के दौरान सुनेत्रा पवार ने अपने दिवंगत पति की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उनके छोटे बेटे जय पवार भी मौजूद रहे। बैठक में कई मंत्री और विधायक भावुक नजर आए।

- **2024 में बारामती से लड़ा लोकसभा का चुनाव**

दिवंगत नेता अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने साल 2024 में बारामती लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, हालांकि उन्हें जीत नहीं मिल सकी थी। इस चुनाव में उन्हें अपनी ननद और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद सुनेत्रा पवार राज्यसभा सांसद के रूप में चुनी गई थीं।

- **28 जनवरी को विमान हादसे में अजित पवार की मौत**

गौरतलब है कि 28 जनवरी 2026 को बारामती में हुए विमान हादसे में महाराष्ट्र की महायुति सरकार में डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री रहे अजित पवार की मौत हो गई थी। लैंडिंग से पहले उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में अजित पवार समेत चार अन्य लोगों की भी जान चली गई थी।

मुसलमानों को गाली देने से हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा - धीरेंद्र शास्त्री

यूपी/बांदा । बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बांदा में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान हिंदू समाज को अहम संदेश दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मुसलमानों को गाली देने या किसी दूसरे समुदाय को अपमानित करने से भारत हिंदू राष्ट्र नहीं बन सकता। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पहले हिंदुओं को अपनी सामाजिक कुरीतियों और अंदरूनी कमजोरियों को सुधारना होगा, तभी समाज में शांति, एकता और भाईचारे की भावना मजबूत हो सकती है। दिव्य हनुमंत कथा के आयोजन के दस दिन बाद एक बार फिर शुक्रवार को धीरेंद्र शास्त्री बांदा पहुंचे। वह खुरहंड स्टेशन स्थित सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी के आवास पर आयोजित सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने कहा, "हिंदू मेरी बात ध्यान से सुन लें, मुसलमानों को गालियां देकर हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा। हिंदुओं को अपनी कुरीतियां सुधारनी होंगी, तभी भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा। हमारे सनातन में जो कमियां हैं, उन्हें दूर करना होगा। जात-पात को खत्म करो, हम सब हिंदू भाई-भाई हैं, यही एक रास्ता है।"

- **हमारे यहां 25 बार पेशी न हो तब तक नहीं होता तलाक**

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर ने कहा कि उनके यहां तो तीन बार "हूं... हूं..." कहने से तलाक नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में जब तक 20 से 25 बार पेशी नहीं हो जाती, तब तक तलाक नहीं होता। इसमें कोई बुराई नहीं है। यह अच्छी बात है क्योंकि जो कायदे में रहेगा, वही फायदे में रहेगा।

विधानसभा चुनाव में सिर्फ कांग्रेस और यूडीएफ की जीत चाहता हूं; केरल में बोले शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव में वह केवल अपनी पार्टी कांग्रेस और उसके नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत देखना चाहते हैं। थरूर ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह कांग्रेस और यूडीएफ की जीत के लिए पूरी ताकत से चुनाव प्रचार करेंगे। उन्होंने एक बार फिर स्पष्ट किया कि उनकी सिर्फ एक ही पार्टी है—कांग्रेस—और मीडिया को इस विषय पर उनसे बार-बार सवाल पूछना बंद कर देना चाहिए। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद ने यह भी दोहराया कि वह कांग्रेस में ही रहेंगे और कहीं नहीं जा रहे हैं। शशि थरूर ने कहा, "मैं केरल में चुनाव प्रचार का हिस्सा बनूंगा और यूडीएफ की जीत के लिए काम करूंगा।" उन्होंने यह भी बताया कि बृहस्पतिवार को उन्होंने अपनी शिकायतों को लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की थी, जिसके बाद उन्होंने कहा कि अब सब ठीक है और सभी एकजुट हैं। हाल के दिनों में शशि थरूर के कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान उनके साथ हुए व्यवहार और केरल के कुछ नेताओं द्वारा उन्हें 'दरकिनार' करने की कोशिशों को लेकर नाराजगी की खबरें सामने आई थीं। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब केरल विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, जो कांग्रेस के लिए बेहद अहम माने जा रहे हैं। कांग्रेस पिछले दस वर्षों से राज्य में विपक्ष में है और इस बार सत्ता में वापसी के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इससे पहले शुक्रवार को शशि थरूर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सराहना करते हुए उन्हें एक "ईमानदार" नेता बताया था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश में सांप्रदायिकता, नफरत और विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ एक सशक्त आवाज हैं। तिरुवनंतपुरम सांसद ने पत्रकारों से कहा, "इस बारे में मेरी कोई अलग राय नहीं है।" थरूर ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी भी राहुल गांधी के खिलाफ किसी गलत टिप्पणी का समर्थन नहीं किया और कहा कि राहुल गांधी एक ईमानदार नेता हैं।

अमेरिका: वेनेजुएला से तेल निर्यात दोबारा शुरू होने की उम्मीद, ट्रंप का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर वेनेजुएला के साथ तेल कारोबार दोबारा शुरू होने की संभावना जताई है। इसको लेकर उन्होंने अमेरिकी नेतृत्व की भूमिका की सराहना की। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला से तेल निर्यात को लेकर पहल आगे बढ़ रही है और वाशिंगटन के समर्थन से निर्यात की व्यवस्था तैयार की जा रही है। ओवल ऑफिस में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की कोशिश की जा रही है। उनके इस बयान के बाद अमेरिका की सियासत में हलचल तेज हो गई है। इस बीच हाउस ओवरसाइट और गवर्नमेंट रिफॉर्म कमेटी के डेमोक्रेट सदस्यों ने तेल कंपनियों विटोल और ट्रैफिगुरा से जवाब तलब किया है। कमेटी के वरिष्ठ डेमोक्रेट सांसद और कैलिफोर्निया से प्रतिनिधि रॉबर्ट गार्सिया ने इन कंपनियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। गार्सिया ने कहा कि इस सौदे से कंपनियों को भारी मुनाफा हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि विटोल के

वरिष्ठ ट्रेडर जॉन एडिसन पहले ट्रंप के चुनावी अभियान को करीब 6 मिलियन डॉलर का फंड दे चुके हैं, जिससे हितों के टकराव की आशंका पैदा हो रही है। रॉबर्ट गार्सिया ने आरोप लगाते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन से जुड़े वेनेजुएला तेल के संदिग्ध कारोबारी सौदे अब सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओवरसाइट डेमोक्रेट्स के पास इस मामले से जुड़े कई गंभीर सवाल हैं। गार्सिया ने आरोप लगाया कि अमेरिकी नागरिकों को गुमराह करते हुए ट्रंप अपने पद का दुरुपयोग कर निजी लाभ उठा रहे हैं और वेनेजुएला का शोषण कर रहे हैं। उनका कहना है कि ट्रंप ने एकतरफा फैसला लेते हुए वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करवाया और अब वेनेजुएला के तेल कारोबार और उससे होने वाली आय पर नियंत्रण करना चाहते हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि दुनिया के कई देश जल्द ही वेनेजुएला का तेल खरीदना शुरू करेंगे और इस पूरी प्रक्रिया में अमेरिका अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसे देशों को आमंत्रित कर रहा है। हालांकि ट्रंप ने तेल की कीमतों, निर्यात की समय-सीमा और किन देशों को इसमें शामिल किया जाएगा, इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। ट्रंप ने दावा किया कि इससे वेनेजुएला की स्थिति में सुधार होगा। गौरतलब है कि वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार हैं, लेकिन बीते एक दशक में देश की तेल उत्पादन क्षमता में तेज गिरावट आई है। इसकी प्रमुख वजह आर्थिक संकट, जर्जर होता बुनियादी ढांचा और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध माने जाते हैं।

आनंदपुर अग्निकांड चीख-चीखकर कहता है कि ममता के लोग शामिल हैं, अमित शाह का TMC पर तीखा हमला

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में आयोजित एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आनंदपुर में स्थित वॉव मोमो के गोदाम में लगी भीषण आग का जिक्र करते हुए ममता बनर्जी सरकार पर जमकर हमला बोला। अमित शाह ने कहा, "आनंदपुर में लगी आग कोई दुर्घटना नहीं है। इस हादसे में 25 लोगों की मौत हो चुकी है और 27 लोग अब भी लापता हैं। यह आग क्यों लगी? इस मोमो फैक्ट्री में किसका पैसा लगा है? फैक्ट्री के मालिक कौन हैं? उन्होंने विदेश की किन-किन उड़ानों में और किन लोगों के साथ यात्रा की है? अब तक मोमो फैक्ट्री के मालिक को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया?" शाह ने आगे सवाल उठाते हुए कहा, "अगर ये लोग घुसपैठिए होते तो क्या ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया यही होती? यहां बंगाली नागरिकों की हत्या हुई है और आप वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। ममता बनर्जी को शर्म आनी चाहिए।" अमित शाह ने कहा कि वह इस मंच से मांग करते हैं कि बंगाल की मुख्यमंत्री इस पूरे मामले की निष्पक्ष न्यायिक जांच करवाएं और दोषियों को जेल भेजें। उन्होंने कहा कि शुभेंदु

अधिकारी और समिक भट्टाचार्य पीड़ित परिवारों से मिलने गए थे, लेकिन हमारे कार्यकर्ताओं के साथ विरोध किया गया और पुलिस ने उन पर अत्याचार किया। शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की पार्टी और सरकार का भ्रष्टाचार अब ज्यादा दिन छिपने वाला नहीं है। उन्होंने कहा, "आनंदपुर गोदाम अग्निकांड चीख-चीखकर बता रहा है कि ममता बनर्जी के लोग इसमें शामिल हैं। ममता बनर्जी इसे दबाना चाहती हैं, लेकिन अप्रैल के बाद जब भाजपा की सरकार बनेगी, तो इस आग के दोषियों को चुन-चुनकर जेल भेजा जाएगा।"

- **बंगाल में बीजेपी के बढ़ते ग्राफ का किया जिक्र**

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने आगे कहा कि ममता बनर्जी उनका मजाक उड़ाया करती थीं। उन्होंने कहा, "ममता दीदी, जब प्रभु श्रीराम ने राम सेतु का निर्माण किया था, तब रावण भी यही सोचता था कि क्या कोई मुझे हरा सकता है? मैं आपको आंकड़े बताता हूं। 2014 में हमें बंगाल में सिर्फ दो सीटें मिली थीं। 2019 में हमें 41 प्रतिशत वोट और 18 सीटें मिलीं। 2024 में 39 प्रतिशत वोट मिले और 2021 के विधानसभा चुनाव में 38 प्रतिशत वोट और 77 सीटें मिलीं, जिसके बाद शुभेंदु अधिकारी विपक्ष के नेता बने।"
अमित शाह ने दावा किया कि ममता बनर्जी 38 प्रतिशत से 45 प्रतिशत की छलांग की बात कर रही हैं, लेकिन इस बार भाजपा का वोट प्रतिशत 50 प्रतिशत से ज्यादा होगा। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा की सरकार प्रचंड बहुमत से बनने जा रही है।

महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार को पीएम मोदी ने बधाई दी

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया अध्याय जुड़ गया है। दिवंगत एनसीपी नेता अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने राज्य की उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। वह इस पद को संभालने वाली महाराष्ट्र की पहली महिला बन गई हैं। राजभवन में हुए सादे शपथ ग्रहण समारोह में एनसीपी, भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। शपथ के कुछ ही देर बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के ज़रिये सुनेत्रा पवार को बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सुनेत्रा पवार राज्य के लोगों के कल्याण के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगी और दिवंगत अजितदादा पवार के विजन को आगे बढ़ाएंगी। गौरतलब है कि महायुति सरकार में अजित पवार की एनसीपी अहम सहयोगी रही है। विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत के बाद अजित पवार उप मुख्यमंत्री बने थे और उनके पास वित्त जैसे अहम मंत्रालय थे। 28 जनवरी को बारामती जाते समय हेलीकॉप्टर हादसे में उनकी मृत्यु हो गई थी। इसके बाद एनसीपी विधायक दल ने सुनेत्रा पवार को अपना नेता चुना। वहीं, शरद पवार गुट की ओर से शपथ समारोह में कोई मौजूद नहीं रहा। सुप्रिया सुले उस समय अपने पैतृक गांव में थीं और उन्होंने इस विषय पर कोई टिप्पणी नहीं की।

तेज प्रताप यादव ने खाली किया सरकारी बंगला, नीतीश सरकार के मंत्री बोले—पंखा, कुर्सी और सोफा गायब

पटना। जनशक्ति जनता दल (JJD) के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने अपना सरकारी आवास खाली कर दिया है। इसके बाद उन पर बंगले से सरकारी सामान गायब करने के आरोप लगे हैं। पटना के 26 एम स्टैंड रोड स्थित यह बंगला अब नीतीश सरकार में मंत्री लखेंद्र पासवान को आवंटित किया गया है। मंत्री ने आरोप लगाया कि जब वह बंगले में पहुंचे तो उसकी स्थिति बेहद खराब थी। आवास से सोफा, कुर्सी, बल्ब और पंखा जैसे जरूरी सामान गायब पाए गए। मंत्री लखेंद्र पासवान ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि जब किसी मंत्री या विधायक को सरकारी आवास दिया जाता है, तो उसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। लेकिन इस बंगले में पंखे, एसी समेत कई सामान उखाड़ लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कहीं दरवाजों की कुंडियां टूटी हुई हैं, तो कहीं छत का प्लास्टर तक उखड़ा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मंत्री ने कहा कि फिलहाल यह आवास रहने योग्य नहीं है। इसकी सूचना भवन निर्माण विभाग को दे दी गई है और मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद ही वे बंगले में शिफ्ट होंगे।

- **चुनाव हारने के बाद मिला था आवास खाली करने का नोटिस**

बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने सरकारी आवास से अपना अधिकतर सामान अपने कार्यालय में शिफ्ट कर दिया है। गौरतलब है कि बिहार में महागठबंधन सरकार के दौरान मंत्री रहे तेज प्रताप यादव को करीब दो साल पहले यह बंगला आवंटित किया गया था। उस समय वे हसनपुर विधानसभा सीट से विधायक थे। हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव में महुआ सीट से हार के बाद उन्हें भवन निर्माण विभाग की ओर से सरकारी आवास खाली करने का नोटिस दिया गया था। तेज प्रताप यादव फिलहाल न तो किसी सदन के सदस्य हैं और न ही किसी संवैधानिक पद पर आसीन हैं।

- **तेजस्वी यादव पर भी लग चुके हैं सामान चोरी के आरोप**

तेज प्रताप यादव के छोटे भाई और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी पहले सरकारी आवास से सामान चोरी करने के आरोप लग चुके हैं। अक्टूबर 2024 में जब उन्होंने पटना के 5, देशरत्न मार्ग स्थित बंगला खाली किया था, तब भाजपा और जेडीयू नेताओं ने उन पर टोंटी, एसी, पंखा, बेड समेत कई सामान ले जाने का आरोप लगाया था। हालांकि तेजस्वी यादव ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया था। बाद में यह बंगला उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आवंटित कर दिया गया था।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

आर्थिक सर्वेक्षण: विकास के संकेतों के साथ सुधार और आत्मनिर्भरता की साफ़ राह

आर्थिक सर्वेक्षण ने इस बार केवल देश की आर्थिक प्रगति का उत्सव मनाने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि बड़ी साफ़गोई के साथ उन कमजोरियों की भी पहचान की है, जो आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बन सकती हैं। सर्वे में यह संकेत ज़रूर दिया गया है कि जीडीपी विकास दर के अनुमान उत्साहजनक हैं, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि संरचनात्मक सुधारों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो यह रफ्तार टिकाऊ साबित नहीं होगी। कृषि क्षेत्र को लेकर आर्थिक सर्वे का रुख खासा स्पष्ट है। सर्वे मानता है कि केवल उत्पादन बढ़ा देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उत्पादकता पर ज़ोर देना ज्यादा ज़रूरी है, यानी कम लागत में ज्यादा और बेहतर उत्पादन। मौजूदा व्यवस्था में खेती बड़े पैमाने पर सब्सिडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी के सहारे टिकी हुई है, जो लंबे समय में न तो किसानों के लिए फायदेमंद है और न ही सरकारी खजाने के लिए। इसलिए सर्वे ने सुझाव दिया है कि इनपुट लागत, जैसे बीज, खाद, सिंचाई और बिजली की लागत को घटाने पर ध्यान दिया जाए, ताकि खेती खुद-ब-खुद लाभकारी बन सके और किसान बाज़ार के भरोसे आगे बढ़ सकें। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को लेकर भी सर्वे ने चिंता जताई है। उत्पादन में वृद्धि के बावजूद वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिहाज़ से भारतीय उद्योग अभी भी पीछे हैं। इसकी एक बड़ी वजह उत्पादकता और गुणवत्ता से जुड़े मसले हैं। सर्वे का मानना है कि अगर भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत जगह बनानी है, तो लागत घटाने, टेक्नोलॉजी अपनाने और श्रम कौशल बढ़ाने पर लगातार काम करना होगा। निवेश के मोर्चे पर आर्थिक सर्वे ने विदेशी निवेश में आई सुस्ती पर भी खुलकर बात की है। एफडीआई और एफआईआई, यानी विदेश से आने वाला व्यक्तिगत और संस्थागत निवेश हाल के समय में कम हुआ है, जो चिंता का विषय है। हालांकि सर्वे इसे पूरी तरह नकारात्मक नहीं मानता। उसका कहना है कि घरेलू निवेश का ढांचा धीरे-धीरे मजबूत हो रहा है और आने वाले समय में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किए जा रहे प्रयास देश की आंतरिक ताकत को बढ़ाएंगे। अगर घरेलू बचत और निवेश को सही दिशा दी गई, तो विदेशी पूंजी पर निर्भरता अपने आप कम हो सकती है। तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में आर्थिक सर्वे ने यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाया है। यह स्वीकार किया गया है कि भारत एआई की वैश्विक दौड़ में अमेरिका और चीन जैसे देशों से पीछे रह गया है। लेकिन सर्वे का सुझाव है कि हमें सीधे हाई-एंड एआई मॉडल्स और बड़े एलएलएम बनाने की होड़ में शामिल होने के बजाय एप्लीकेशन आधारित छोटे और व्यावहारिक समाधानों पर ध्यान देना चाहिए। छोटे-छोटे चिप्स और उपयोगी एआई टूल्स के ज़रिये कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, मैन्युफैक्चरिंग और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में, खासकर ट्रम्प के टैरिफ जैसे फैसलों को देखते हुए, सर्वे ने आगाह किया है कि भारत को अपनी घरेलू नीतियों में लचीलापन लाना होगा।

बजट 2026: स्थिरता से आगे बढ़कर जोखिम लेने का वक्त, क्या सरकार आर्थिक सुधारों की नई इबारत लिख पाएगी?

-मजबूत आंकड़ों के बीच सवाल—क्या यह बजट भारत को ऊंचे आर्थिक पायदान तक ले जाएगा?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार आठवीं बार केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं। यह अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और इसके लिए वे निस्संदेह बधाई की पात्र हैं। बीते वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने कई वैश्विक झटकों—कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, सप्लाई चेन संकट और वैश्विक मंदी की आशंकाओं—के बावजूद खुद को संभाले रखा है। आज हमारा राजकोषीय घाटा काबू में है, महंगाई पहले के मुकाबले काफी हद तक नियंत्रित है, विदेशी मुद्रा भंडार संतोषजनक स्तर पर है और 6 प्रतिशत से अधिक की विकास दर के साथ भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। लेकिन इन तमाम सकारात्मक आंकड़ों के बीच बजट की पूर्व संध्या पर एक बड़ा और बुनियादी सवाल खड़ा होता है—क्या यह बजट सिर्फ स्थिरता और संतुलन का दस्तावेज़ होगा या फिर भारत के आर्थिक स्तर को सचमुच ऊँचा ले जाने का जोखिम उठाएगा?

जोखिम से डरती अर्थव्यवस्था आगे नहीं बढ़ती

हाल ही में एक बड़े कॉर्पोरेट जगत से जुड़े व्यक्ति ने मुझसे कहा—"सरकार हमसे कहती है कि हम ज्यादा जोखिम लें, लेकिन माहौल ऐसा है कि विफलता को भी धोखाधड़ी मान लिया जाता है।" यह बात सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि देश के बड़े हिस्से के उद्यमियों और निवेशकों की भावना को दर्शाती है। भारतीय समाज में उद्यमिता कोई नई चीज़ नहीं है। हमारे व्यापारी, कारोबारी और छोटे उद्यमी सदियों से जोखिम लेकर ही आगे बढ़ते रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या मौजूदा व्यवस्था जोखिम लेने को प्रोत्साहित करती है या उससे डराती है?

अगर कोई कारोबार असफल हो जाए, तो क्या उसे एक स्वाभाविक आर्थिक प्रक्रिया माना जाता है, या फिर जांच एजेंसियों और कानूनी उलझनों का कारण बन जाता है? निवेशक तभी जोखिम लेते हैं, जब उन्हें भरोसा हो कि असफलता को अपराध नहीं माना जाएगा। निर्मला जी, क्या यह बजट ऐसे सिस्टम को बदलने का जोखिम उठाएगा, जो निवेशकों के मन में भय और अनिश्चितता पैदा करता है?

पूर्ण बहुमत और सुधारों का सही समय

सरकार को पिछले दो कार्यकालों में पूर्ण बहुमत मिला और आज भी संसद में स्थिर बहुमत है। राजनीति की दृष्टि से यह सुधारों के लिए सबसे अनुकूल समय होता है। इतिहास गवाह है कि बड़े आर्थिक फैसले हमेशा मजबूत राजनीतिक स्थिति के दौर में ही लिए गए हैं—चाहे वह 1991 का आर्थिक उदारीकरण हो या जीएसटी जैसे बड़े सुधार। आज भी भारत ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में विश्व बैंक की रैंकिंग में 63वें स्थान पर रहा है। यह सही है कि बीते वर्षों में इस दिशा में सुधार हुए हैं, लेकिन यह भी सच है कि कई अहम सुधार आज भी ठंडे बस्ते में पड़े हैं। भूमि कानून और श्रम कानून इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। भूमि अधिग्रहण की जटिल प्रक्रिया, श्रम कानूनों की अधिकता और अनुपयोगी नियम आज भी उद्योगों के विस्तार में बाधा हैं। इन नियमों का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि ये भ्रष्टाचार और अनौपचारिकता को बढ़ावा देते हैं। सवाल यह है कि क्या सरकार इन सुधारों को आगे बढ़ाने का राजनीतिक जोखिम उठाने को तैयार है?

मुफ़्त योजनाएँ बनाम उत्पादक अर्थव्यवस्था

बीते कुछ वर्षों में देश की राजनीति में मुफ्त योजनाओं, रियायतों और नकद सहायता की होड़ सी लग गई है। बिजली, पानी, राशन, नकद ट्रांसफर—इन सबका एक सामाजिक और मानवीय पक्ष जरूर है। भारत जैसे देश में, जहां बड़ी आबादी अभी भी बुनियादी ज़रूरतों के लिए संघर्ष कर रही है, सामाजिक सुरक्षा को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। लेकिन असली चुनौती यह है कि क्या ये योजनाएँ लोगों को आत्मनिर्भर और उत्पादक बना रही हैं, या केवल अस्थायी राहत दे रही हैं? एक मजबूत अर्थव्यवस्था वही होती है, जो लोगों को सुरक्षित रोजगार, उद्यमिता और कौशल विकास की ओर ले जाए। निर्मला जी, क्या सरकार इस बजट में ऐसी योजनाओं पर अपनी निर्भरता कम करने का राजनीतिक जोखिम उठाएगी, जिनका सीधा संबंध उत्पादकता या रोजगार से नहीं है? क्या सामाजिक सुरक्षा को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने की कोई ठोस रणनीति सामने आएगी?

एआई का दौर और बेरोजगारी की नई चुनौती

आज पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में प्रवेश कर चुकी है। एआई जहां एक तरफ नई संभावनाएँ खोल रहा है, वहीं दूसरी तरफ पारंपरिक नौकरियों को विस्थापित भी कर रहा है। मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और सेवा क्षेत्र में रोज़मर्रा के काम तेजी से मशीनों के हवाले हो रहे हैं। यहां असली समस्या बेरोजगारी से ज्यादा कौशल और अवसरों के असंतुलन की है। एक किसान, जिसने दशकों तक सिर्फ धान रोपने का काम किया है, वह बिना री-स्किलिंग के अचानक एआई आधारित अर्थव्यवस्था में कैसे रोजगार पाएगा? भारत की युवा आबादी तभी जनसांख्यिकीय लाभ दे सकती है, जब शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण को नए सिरे से गढ़ा जाए। क्या यह बजट स्किलिंग, री-स्किलिंग और लाइफ-लॉन्ग लर्निंग को प्राथमिकता देगा, या फिर ये शब्द सिर्फ भाषणों तक सीमित रहेंगे?

मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार का संकट

भारत की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान लंबे समय से 15–17 प्रतिशत के आसपास ही अटका हुआ है। जबकि चीन, वियतनाम और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने इसी क्षेत्र के ज़रिए करोड़ों लोगों को रोजगार दिया और आर्थिक छलांग लगाई। भारत में मैन्युफैक्चरिंग के सामने लॉजिस्टिक्स की बाधाएँ, ऊँची कम्प्लायंस लागतें और असंगत नीतियाँ बड़ी समस्या हैं। अगर एआई के दौर में भी बेरोजगारी को कम करना है, तो श्रम-प्रधान उद्योगों, एमएसएमई सेक्टर और स्थानीय विनिर्माण को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देना ही होगा। निर्मला जी, क्या सरकार इस दिशा में बड़े पैमाने पर प्रोत्साहन देने का जोखिम उठाएगी, या फिर हम सिर्फ सेवा क्षेत्र पर निर्भर रहेंगे?

मध्यम वर्ग की असुरक्षा और अर्थव्यवस्था

भारतीय मध्यम वर्ग आज सिर्फ अपनी आय को लेकर चिंतित नहीं है। उसे स्वास्थ्य खर्च, शिक्षा की बढ़ती लागत, रिटायरमेंट की अनिश्चितता, मकानों की महंगाई, चाइल्डकेयर और एजुकेशन लोन जैसी समस्याएँ भी परेशान कर रही हैं। एक सुरक्षित मध्यम वर्ग ही खर्च करता है, निवेश करता है और अर्थव्यवस्था की मांग को गति देता है। अगर मध्यम वर्ग असुरक्षित महसूस करेगा, तो वह खर्च करने से बचेगा—और इसका सीधा असर आर्थिक विकास पर पड़ेगा। क्या यह बजट मामूली कर-छूटों की दिखावटी राजनीति से आगे बढ़कर मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के ठोस उपाय लाएगा? क्या सरकार इस वर्ग के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा देने का जोखिम उठाएगी?

कृषि: सबसे बड़ा विरोधाभास

भारत का लगभग आधा कार्यबल आज भी कृषि पर निर्भर है, लेकिन जीडीपी में इसका योगदान 20 प्रतिशत से भी कम है। यह अपने आप में एक बड़ा विरोधाभास है। कृषि उत्पादकता में लंबे समय से ठहराव है और किसानों की आय अपेक्षाकृत कम बनी हुई है। इस संकट से निकलने के लिए सिर्फ सब्सिडी और कर्ज़ माफी काफी नहीं है। ज़रूरत है कृषि में इनोवेशन, वैल्यू एडिशन, एग्री-प्रोसेसिंग और दूसरी हरित क्रांति की। क्या यह बजट छिटपुट घोषणाओं के बजाय कृषि के लिए एक दीर्घकालिक और ठोस रोडमैप पेश करेगा? क्या सरकार इस क्षेत्र में बड़े संरचनात्मक बदलावों का जोखिम उठाने को तैयार है?

आंकड़ों से आगे की सोच

भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़ रही है, यह आर्थिक प्रगति का एक संकेत हो सकता है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हमारे देश में अत्यंत गरीब लोगों की संख्या भी कम नहीं है। सवाल सिर्फ असमानता का नहीं, बल्कि समावेशी विकास का है। 1991 के आर्थिक उदारीकरण ने भारत की दिशा बदल दी थी। आज फिर एक ऐसे ही निर्णायक मोड़ पर हम खड़े हैं।

ट्रम्प की एकतरफ़ा नीतियां अंतरराष्ट्रीय सहयोग को कमजोर कर रही हैं और वैश्विक शांति, स्वास्थ्य व जलवायु प्रयासों के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही हैं

-अमेरिका के फैसले मानवता, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और साझा वैश्विक चुनौतियों से निपटने की कोशिशों को नुकसान पहुंचा रहे हैं

इक्कीसवीं सदी की दुनिया आपसी निर्भरता, साझा ज़िम्मेदारियों और सामूहिक समाधान की मांग करती है। जलवायु परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य संकट, शरणार्थी समस्या, आतंकवाद, गरीबी और युद्ध जैसे मुद्दे किसी एक देश की सीमाओं में बंधे नहीं हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग अनिवार्य है। लेकिन अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियां इस वैश्विक सोच के बिल्कुल उलट दिशा में जाती दिखाई देती हैं। ट्रम्प द्वारा पेरिस जलवायु समझौते से बाहर निकलने का फैसला अब औपचारिक रूप से प्रभावी हो चुका है। यह सिर्फ एक समझौते से बाहर निकलना नहीं था, बल्कि यह उस वैश्विक सहमति से मुंह मोड़ने जैसा था, जो पूरी दुनिया ने पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने के लिए बनाई थी। इससे भी ज़्यादा चिंताजनक बात यह है कि इसी महीने ट्रम्प प्रशासन ने 66 अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों से भी बाहर निकलने की घोषणा कर दी। इनमें संयुक्त राष्ट्र की 31 संस्थाएं और 35 गैर-यूएन संगठन शामिल हैं।

इतिहास में अभूतपूर्व फैसला

इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि किसी देश का नेता महज़ एक महीने के भीतर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इतने बड़े पैमाने पर रिश्ते तोड़ ले। न ही किसी राष्ट्राध्यक्ष ने इतनी साफ़गोई से यह कहा था कि उसे अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों की ज़रूरत नहीं है। न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने खुले तौर पर कहा कि वे ख़ुद तय करेंगे कि अमेरिका पर नियम-कायदे कब लागू होंगे और कब नहीं। यह बयान सिर्फ घमंड या राजनीतिक बयानबाज़ी नहीं है, बल्कि यह उस वैश्विक व्यवस्था के लिए ख़तरे की घंटी है, जो नियमों, समझौतों और आपसी भरोसे पर टिकी हुई है। अगर दुनिया की सबसे ताक़तवर मानी जाने वाली महाशक्ति ही अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों को नकार दे, तो बाकी देशों से नियमों का पालन करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

मानवीय सहायता पर क्रूर कटौती

ट्रम्प प्रशासन की नीतियों का असर अब ज़मीन पर साफ़ दिखने लगा है। बीते एक साल में अमेरिका ने वैश्विक मानवीय सहायता और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए दी जाने वाली धनराशि में भारी कटौती की है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इन कटौतियों के कारण हर साल लगभग दस लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। बार्सिलोना इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ और अन्य संगठनों द्वारा किए गए एक अहम अध्ययन में यह सामने आया है कि अमेरिका और यूरोप द्वारा सहायता में की गई कटौतियां मिलकर वर्ष 2030 तक विकासशील देशों में 2.26 करोड़ अतिरिक्त मौतों का कारण बन सकती हैं। इनमें पांच वर्ष से कम उम्र के 54 लाख बच्चे भी शामिल हैं। यह आंकड़े सिर्फ़ नंबर नहीं हैं, बल्कि ये उन मासूम ज़िंदगियों की कहानी कहते हैं, जो दवाइयों, टीकों, साफ़ पानी और बुनियादी इलाज के अभाव में मौत के मुंह में चली जाएंगी।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर सुनियोजित हमला

ट्रम्प के बारे में यह पहले से ही स्पष्ट था कि उनका प्रशासन यूनेस्को, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (UNHCR), फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए काम करने वाली एजेंसी UNRWA और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) जैसी संस्थाओं को निशाना बनाएगा। लेकिन अब यह भी साफ़ हो चुका है कि अमेरिका जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक समझौते तक पहुंचने के पूरे फ्रेमवर्क को छोड़ने वाला पहला देश बन गया है। यह न केवल पर्यावरण के लिए घातक है, बल्कि यह भविष्य की पीढ़ियों के साथ एक तरह की नाइंसाफ़ी भी है।

'बोर्ड ऑफ पीस' और नई वैश्विक राजनीति

ट्रम्प द्वारा प्रस्तावित नया 'बोर्ड ऑफ पीस' भी दूरगामी असर डालने वाला कदम है। इसे संयुक्त राष्ट्र की शांति स्थापना की कोशिशों के विकल्प के रूप में पेश किया जा रहा है। यह बदलाव इस बात का संकेत देता है कि अमेरिका अब बहुपक्षीय सहयोग की जगह अपनी शर्तों पर चलने वाली व्यवस्था चाहता है। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के प्रति प्रतिबद्ध विधि आयोग, निर्वाचन सहायता संस्थान, न्याय और विधि के शासन से जुड़ी एजेंसियों पर हमले भविष्य की अमेरिकी कार्रवाइयों की वैधता पर सवाल खड़े करते हैं। अगर नियम बनाने और उनका पालन कराने वाली संस्थाएं ही कमजोर कर दी जाएंगी, तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ेगी।

'वोक एजेंडा' का बहाना

ट्रम्प प्रशासन यह दलील देता रहा है कि इन कदमों का मकसद खर्च में कटौती करना और तथाकथित 'वोक एजेंडा' का मुकाबला करना है। लेकिन यह तर्क खोखला लगता है। महिलाओं की समानता और लड़कियों के अधिकारों की रक्षा करने वाली एजेंसियों से बाहर निकलने का क्या मतलब है? यूएन वुमन जैसी संस्था को फिजूलखर्च कैसे कहा जा सकता है, जबकि उसने 80 से अधिक देशों में जेंडर-संवेदनशील बजट तैयार करने में मदद की है? यूएनएफपीए मातृ स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव और परिवार नियोजन जैसे बुनियादी मुद्दों पर काम करती है। एजुकेशन कैन्ट वेट, जो शरणार्थी और विस्थापित बच्चों को शिक्षा तक पहुंच दिलाती है, अगर पर्याप्त वित्तपोषण से वंचित होती है, तो इसका सीधा असर दुनिया के सबसे असुरक्षित बच्चों पर पड़ेगा। इन संगठनों को कमजोर करने का मतलब है कि महिलाओं और लड़कियों पर हिंसा बढ़ेगी, मातृ मृत्यु दर में इज़ाफ़ा होगा और शिक्षा से वंचित बच्चों की संख्या और बढ़ेगी।

अमेरिकी जनता की राय क्या कहती है?

ट्रम्प प्रशासन को यह गलतफहमी है कि अमेरिकी नागरिक भी अंतरराष्ट्रीय संगठनों को खत्म करने की उनकी नीतियों का समर्थन करते हैं। जबकि हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। हाल ही में 34 देशों में किए गए एक अंतरराष्ट्रीय जनमत सर्वेक्षण में 90 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य, मानवाधिकारों की रक्षा और संघर्षों की रोकथाम के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बेहद ज़रूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन पर 60 प्रतिशत लोगों ने भरोसा जताया, जबकि संयुक्त राष्ट्र पर 58 प्रतिशत उत्तरदाताओं का विश्वास बना हुआ है। ये आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की आम जनता सहयोग चाहती है, टकराव नहीं।

स्मार्टफोन युग की ढलान और एआई डिवाइसेस का उदय कैसे बदल रहा है वैश्विक टेक इंडस्ट्री का भविष्य और बाजार

-ओपनएआई मेटा अमेजन की नई रणनीति से 2026 में स्मार्टफोन शिपमेंट गिरने के संकेत स्पष्ट

पिछले डेढ़ दशक में स्मार्टफोन ने जिस तरह से हमारी ज़िंदगी, कारोबार और संवाद के तरीकों को बदला है, वैसा बदलाव आधुनिक इतिहास में बहुत कम देखने को मिलता है। एपल का आईफोन और गूगल का एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम मिलकर टेक्नोलॉजी बिज़नेस की सबसे मुनाफ़ेदार डुओपॉली बन चुके हैं। एक तरफ़ एपल अपने हार्डवेयर और प्रीमियम ब्रांड वैल्यू से कमाई करता है, तो दूसरी ओर गूगल एंड्रॉइड और सर्च इकोसिस्टम के ज़रिये अरबों डॉलर का विज्ञापन कारोबार खड़ा कर चुका है। लेकिन अब यह स्थापित व्यवस्था पहली बार गंभीर चुनौती के दौर में प्रवेश करती दिख रही है। ओपनएआई, मेटा, अमेज़न और यहां तक कि खुद एपल जैसी कंपनियां भी स्मार्टफोन के विकल्प तलाशने में जुट गई हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नए डिवाइसेस, स्मार्ट ग्लासेस, वियरेबल पिन और वॉयस-आधारित असिस्टेंट आने वाले समय में मोबाइल फोन की भूमिका को सीमित कर सकते हैं। यही वजह है कि एनालिस्ट मान रहे हैं कि 2026 स्मार्टफोन इंडस्ट्री के लिए आसान साल नहीं होगा।

इस साल 6% गिरेगी स्मार्टफोन शिपमेंट

मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरपाइंट रिसर्च के अनुसार, 2026 में ग्लोबल स्मार्टफोन शिपमेंट में लगभग 6 फीसदी की गिरावट आ सकती है। इससे पहले अनुमान था कि गिरावट केवल 2 फीसदी रहेगी, लेकिन बदलते हालात ने तस्वीर और भी धुंधली कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि 2025 में स्मार्टफोन सप्लाई में लगभग 2 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी देखी गई थी, लेकिन वह तेजी टिकाऊ साबित नहीं हो सकी। इस गिरावट के पीछे कई कारण हैं—मेमोरी चिप्स की कीमतों में भारी इज़ाफ़ा, सेमीकंडक्टर फाउंड्री की बढ़ती प्रतिस्पर्धा, और सबसे अहम, कंज्यूमर का धीरे-धीरे स्मार्टफोन से हटकर नए तरह के डिवाइसेस की ओर झुकाव।

मेमोरी चिप्स बनीं बड़ी परेशानी

स्मार्टफोन की लागत बढ़ने का सबसे बड़ा कारण मेमोरी चिप्स के दाम हैं। पिछले 15 महीनों में, स्मार्टफोन में आम तौर पर इस्तेमाल होने वाली 12 जीबी रैम वाली मेमोरी चिप की कीमत बढ़कर लगभग 70 डॉलर तक पहुंच गई है। यह बढ़ोतरी सीधे तौर पर फोन की कीमत पर असर डाल रही है। कम कीमत वाले फोन बनाने वाली कंपनियों के लिए यह स्थिति और भी मुश्किल है। उन्हें या तो कीमतें बढ़ानी पड़ रही हैं या फिर अपने मुनाफ़े में कटौती करनी पड़ रही है। दूसरी ओर, प्रीमियम सेगमेंट में आईफोन बेचने वाली एपल का मार्जिन भी दबाव में आ सकता है, क्योंकि बढ़ती लागत को पूरी तरह कंज्यूमर पर डालना आसान नहीं होता।

फाउंड्री वॉर और सेमीकंडक्टर संकट

एनालिस्ट यांग वांग के मुताबिक, स्मार्टफोन इंडस्ट्री के सामने एक और बड़ी चुनौती है—फाउंड्री वॉर। अब तक एपल और सैमसंग जैसी कंपनियां टीएसएमसी (TSMC) जैसी बड़ी सेमीकंडक्टर फाउंड्री की सबसे बड़ी कस्टमर रही हैं। लेकिन अब इस दौड़ में एनवीडिया जैसी एआई चिप बनाने वाली कंपनियां भी शामिल हो गई हैं। एआई के बढ़ते इस्तेमाल ने हाई-एंड चिप्स की मांग को अचानक बढ़ा दिया है। इसका नतीजा यह है कि स्मार्टफोन कंपनियों को या तो ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है या फिर सप्लाई में देरी झेलनी पड़ रही है। यह स्थिति आने वाले कुछ वर्षों तक बनी रह सकती है।

ओपनएआई, मेटा और अमेज़न की नई रणनीति

स्मार्टफोन के विकल्प तलाशने वाली कंपनियों में सबसे बड़ा नाम ओपनएआई का है। 19 जनवरी को ओपनएआई ने घोषणा की कि वह इस साल अपनी नई डिवाइस पेश करेगी। इस डिवाइस को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा इसलिए है क्योंकि इसे ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और एपल के पूर्व दिग्गज डिज़ाइनर सर जॉनी इवे मिलकर विकसित कर रहे हैं। इस संभावित डिवाइस को स्मार्टफोन के बाद के युग की शुरुआत माना जा रहा है—एक ऐसा डिवाइस जो स्क्रीन पर कम और एआई इंटरैक्शन पर ज्यादा निर्भर होगा। यही वजह है कि एपल भी इस दिशा में सतर्क हो गई है और अपने वियरेबल पिन तथा स्मार्ट ग्लास जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। मेटा, जो दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी है, स्मार्ट ग्लासेस पर भारी निवेश कर रही है। इन ग्लासेस में इन-बिल्ट कैमरे, डिस्प्ले लेंस और व्हाट्सएप जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म से जुड़ी सुविधाएं होंगी। इससे यूज़र के लिए कंटेंट बनाना और शेयर करना बेहद आसान हो जाएगा। अमेज़न भी पीछे नहीं है। उसने हाल ही में अपना नया एआई असिस्टेंट 'एलेक्सा प्लस' और इको स्मार्ट स्पीकर पेश किया है। कंपनी जल्द ही इको स्मार्ट ग्लासेस और इयर बड्स लॉन्च करने की तैयारी में है। अमेज़न की रणनीति साफ है—हर जगह अपनी मौजूदगी बढ़ाना, ताकि उसका ई-कॉमर्स और सर्विस बिज़नेस और मज़बूत हो सके।

ऐप स्टोर कमीशन बनाम एआई सब्सक्रिप्शन

एपल और गूगल का एक बड़ा फायदा उनका ऐप स्टोर इकोसिस्टम है। डेवलपर्स को एपल के ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाले ऐप्स के ज़रिये होने वाली खरीद पर 30 फीसदी तक कमीशन देना पड़ता है। यह मॉडल एपल के लिए बेहद फायदेमंद रहा है। लेकिन ओपनएआई जैसी कंपनियों के लिए यह मॉडल चुनौती बन सकता है। ओपनएआई की सबसे बड़ी कमाई कंज्यूमर सब्सक्रिप्शन से होती है। यदि यूज़र आईफोन या एंड्रॉइड डिवाइस के ज़रिये कोई खरीदारी करता है, तो कंपनी को प्लेटफॉर्म ओनर को हिस्सा देना पड़ता है। यही वजह है कि ओपनएआई और अन्य एआई कंपनियां ऐसे डिवाइसेस बनाना चाहती हैं जो सीधे कंज्यूमर से जुड़ें और ऐप स्टोर कमीशन से मुक्त हों। मेटा इस मामले में अपेक्षाकृत सुरक्षित है, क्योंकि उसकी कमाई का बड़ा हिस्सा विज्ञापन से आता है। यदि यूज़र मेटा के प्लेटफॉर्म्स पर ज्यादा समय बिताएंगे, तो कंपनी को ज्यादा विज्ञापन राजस्व मिलेगा।

कंज्यूमर व्यवहार में बदलाव

स्मार्टफोन के विकल्पों की खोज केवल कंपनियों की रणनीति नहीं है, बल्कि कंज्यूमर व्यवहार में भी बदलाव के संकेत मिल रहे हैं।

ग्राम उत्थान शिविरों में लाखों ग्रामीण हो रहे लाभान्वित - भजनलाल शर्मा

- 370 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्थान को ऐसा प्रदेश बनाया है, जहां युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर, गरीबों का उत्थान और किसानों का जीवन खुशहाल हो रहा है। इसी कड़ी में ग्राम उत्थान शिविरों के माध्यम से आमजन को विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक करते हुए पात्र व्यक्तियों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। ये शिविर प्रदेश के हर गिरदावर सर्किल पर लगाए जा रहे हैं, ताकि किसानों और ग्रामीणों को सभी सेवाएं नजदीक उपलब्ध हो सकें। शर्मा शनिवार को टोंक के निवाई में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्राम उत्थान शिविरों में किसानों, पशुपालकों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। अब तक पूरे प्रदेश में 941 ग्राम उत्थान शिविर लगाकर लाखों ग्रामीणों को लाभ पहुंचाया गया है। इनमें 50 हजार से अधिक सोइल हेल्थ कार्ड और 33 हजार स्वामित्व कार्ड का वितरण किया गया है। 2 लाख 60 हजार पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा और 20 हजार पशुओं का टीकाकरण किया गया है। वहीं, पीएम सूर्य घर योजना के तहत 20 हजार पंजीकरण भी किए गए हैं।

वीबी जी राम जी से बदलेगी ग्रामीण भारत की तस्वीर-

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि जब गांव आगे बढ़ेगा, तभी देश आगे बढ़ेगा। हाल ही में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार वीबी जी राम जी कानून लेकर आई है, जिसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। इसके माध्यम से ऐसे स्थायी विकास के कार्य होंगे जो गांवों में जल सुरक्षा, बुनियादी ढांचा और आजीविका संवर्धन में कारगर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि योजना में तकनीक के माध्यम से कार्य पारदर्शी तरीके से होंगे। इससे हर श्रमिक को पैसा समय पर मिलेगा। यह कानून ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलेगा और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सशक्त भूमिका निभाएगा।

वर्ष 2014 के बाद देश में हुए अभूतपूर्व बदलाव-

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं। प्रधानमंत्री देश के किसान, युवा, महिला और मजदूर चारों

वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने देश में विकास एवं गरीब कल्याण की योजनाओं से दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाया है। महिलाओं के लिए 450 रुपये में गैस सिलेण्डर तथा किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से राहत दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य कर रही है। पानी की प्राथमिकता को समझते हुए हमने रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, गंगनहर की मरम्मत जैसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में राजस्थान के 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को 9 हजार रुपये दे रही है। पिछले दो साल में प्रदेश के किसानों को 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे खातों में भेजी गई है।

युवा मन लगाकर पढ़ाई करे, सरकार आपके साथ खड़ी है-

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर दे रही है। राइजिंग राजस्थान समिट के माध्यम से प्रदेश में निवेश एवं रोजगार के नए मार्ग प्रशस्त हुए हैं। हमारी मंशा है कि युवा रोजगार प्रदाता भी बने इसलिए हमारी सरकार द्वारा राजस्थान युवा पॉलिसी लाई गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर युवाओं को नियुक्तियां दे चुकी है। 1 लाख 54 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। वहीं, इस वर्ष के लिए एक लाख सरकारी पदों पर भर्तियों का कैलेंडर जारी किया जा चुका है। प्रदेश में सभी भर्तियां पूरी पारदर्शिता से हो रही हैं। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि वे मन लगाकर पढ़ाई करे, सरकार आपके साथ खड़ी है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने टोंक को 370 करोड़ रुपये से अधिक राशि के 64 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न लोकार्पण और शिलान्यास शामिल है। साथ ही, उन्होंने मल्टी क्रॉप थ्रेसर अनुदान, किसान क्रेडिट कार्ड, गोपाल क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता, शेडनेट हाउस तथा पॉली हाउस की सब्सिडी योजनाओं के लाभार्थियों एवं राजीविका दीदी समूहों को प्रतीकात्मक रूप से चैक वितरित किए और पीएम कुसुम योजनान्तर्गत सोलर पम्प प्रमाण-पत्र भी सौंपे। इससे पहले शर्मा ने ग्राम उत्थान शिविर का अवलोकन भी किया।

अनुपयोगी सामग्री के ऑक्शन में जयपुर डिस्कॉम ने तोड़ा वर्षों का रिकॉर्ड

- स्क्रेप मैटेरियल से जुटाया 104 करोड़ रुपए का राजस्व

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर डिस्कॉम ने अनुपयोगी सामान का निस्तारण कर इस वित्तीय वर्ष में अब तक रिकॉर्ड 104 करोड़ रूपए से अधिक का राजस्व अर्जित करने में सफलता प्राप्त की है। निगम के 13 वृत्त भंडारों में अनुपयोगी सामान (स्क्रेप मैटेरियल) के ऑक्शन से प्राप्त यह विगत कई वर्षों में सर्वाधिक राशि है। उल्लेखनीय है कि निगम के वृत्त भंडारगृहों में अनुपयोगी ट्रांसफार्मर, लकड़ी के बॉक्स, पुराने वीसीबी, मीटर, खराब ऑयल, नाकारा वाहन, पुरानी केबल, लोहे के ड्रम आदि अनुपयोगी विद्त उपकरण एवं सामग्री रहती है। डिवीजन एवं सब डिवीजन कार्यालयों के माध्यम से नाकारा सामान सहायक भंडार नियंत्रक कार्यालय में जमा होता है और यहीं से ऑक्शन कर प्रतिमाह उसका निस्तारण होता है। कई बार अधिकारी अन्य दैनिक कार्यों में उलझे होने के कारण समय से ऑक्शन नहीं कर पाते। जिससे सामान जंग खाता है और राजस्व प्राप्त होने में विलम्ब होता है। डिस्कॉम प्रबंधन ने मुख्य अभियंता (पदार्थ प्रबंधन), अधीक्षण अभियंता (निरीक्षण एवं भंडार) को अनुपयोगी सामान के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यालय की निरीक्षण एवं भंडार विंग ने वृत्त कार्यालयों से संपर्क कर फील्ड में पड़े नीलामी योग्य स्क्रेप मैटेरियल की सर्वे रिपोर्ट तैयार करने और नियमित ऑक्शन प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग की। इसी का नतीजा रहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के दौरान निगम के सभी सर्किलों में जहां क्रमशः कुल 115 एवं 185 ऑक्शन ही हो पाए थे। वहीं

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान जनवरी माह तक कुल 221 ऑक्शन हो चुके हैं। इस वित्तीय वर्ष की समाप्ति के अभी दो माह और शेष हैं, जिससे यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

नीलाम किए बरसों पुराने 34 वाहन

कई भंडार कार्यालयों में 15 साल से भी अधिक पुराने वाहन धूल खा रहे थे। बरसों पुराने इन वाहनों पर बकाया रोड टैक्स एवं अन्य बकाया करों का विवरण परिवहन विभाग से प्राप्त करना टेढ़ी खीर था। ऐसे में डिस्कॉम प्रबंधन ने परिवहन मुख्यालय के स्तर पर सम्पर्क किया। साथ ही सर्किल स्तर से 15 जिलों में परिवहन अधिकारियों के स्तर पर प्रयास किए गए। परिवहन विभाग से इनकी जानकारी प्राप्त कर सर्वे रिपोर्ट के आधार पर 48 वाहनों को ऑक्शन में लाया गया। जिससे 34 अनुपयोगी वाहनों की नीलामी करने में सफलता मिली।

अभी दो माह में और राजस्व आने की उम्मीद

निगम ने इस वित्तीय वर्ष में अब तक 104 करोड़ 39 लाख रूपए का राजस्व ऑक्शन के माध्यम से अर्जित किया है। वित्त वर्ष समाप्त होने तक यह राशि 125 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। यह विगत 5 वर्षों में अनुपयोगी मैटेरियल से प्राप्त अब तक का सर्वाधिक राजस्व है। अनुपयोगी सामग्री के ऑक्शन से वित्तीय वर्ष 2020-21 में 30.85 करोड़, 2021-22 में 94.84 करोड़, 2022-23 में 86.84 करोड़, 2023-24 में 61.29 करोड़ तथा 2024-25 में 55.76 करोड़ की राशि ही हासिल हो पाई थी।

अलवर वृत्त और जयपुर जिला वृत्त ने की सर्वाधिक कमाई

निगम के भण्डार कार्यालयों में अलवर वृत्त ने 24.79 करोड़ तथा जयपुर जिला वृत्त ने 21.99 करोड़ रूपए स्क्रैप मैटेरियल के ऑक्शन से हासिल किए हैं। इसके पश्चात दौसा ने 9.34 करोड़ रूपए, भरतपुर ने 6.26 करोड़ रूपए, कोटा ने 5.66 करोड़ रूपए, जयपुर शहर वृत्त ने 5.28 करोड़, बारां ने 5.18 करोड़, सवाई माधोपुर ने 5.17 करोड़ रूपए, बून्दी ने 4.73 करोड़, टोंक ने 4.54 करोड़ रूपए, करौली ने 4.31 करोड़ रूपए, झालावाड़ ने 4.17 करोड़ और धौलपुर ने 2.94 करोड़ रूपए ऑक्शन से जुटाए हैं।

शर्मा ने परिवादी से की बात 2 घंटे में ही संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदना का हुआ निस्तारण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में सुशासन एवं आमजन को राहत देने के प्रयासों के तहत स्वयं अनूठी मिसाल पेश करते हुए संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरण के परिवादी से संवाद कर हाथों-हाथ राहत प्रदान करवाई और तद्रूप जिला प्रशासन डूंगरपुर ने भी तत्परता दिखाते हुए मात्र 2 घंटे में ही परिवेदना का निस्तारण कर सुशासन की मिसाल पेश की। मुख्यमंत्री शर्मा के प्रदेश में पारदर्शी एवं सुशासन के लगातार प्रयासों के बीच संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के परिवादियों से संवाद करने तथा उनका समाधान करने की अनूठी पहल की गई है। इसी के तहत शुक्रवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डूंगरपुर के बोडीगाम छोटा निवासी जितेंद्र

सिंह से संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरण के संबंध में बात की। जिस पर जितेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने बच्चों के मूल निवास एवं जाति प्रमाण पत्र हेतु 7 दिन पूर्व आवेदन किया था और इस संदर्भ में परिवेदना दर्ज की है। इस पर मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जिला कलेक्टर डूंगरपुर अंकित कुमार सिंह को अवगत कराने पर जिला कलक्टर द्वारा तत्काल कार्यवाही करवाते हुए मात्र 2 घंटे में ही हाथों हाथ मूल निवास एवं जाति प्रमाण पत्र जारी कर परिवादी को राहत प्रदान की गई। जिला कलक्टर सिंह ने बताया कि साबला तहसील के बोडीगाम छोटा निवासी जितेंद्र सिंह ने अपने बच्चों संयम एवं क्रिया के मूल निवास एवं जाति प्रमाण पत्र बनवाने के आवेदन के संबंध में संपर्क पोर्टल पर गुरुवार को परिवेदना प्रस्तुत की थी। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह को शुक्रवार को दोपहर 3 बजे मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा परिवेदना के बारे में सूचना प्राप्त होते ही तत्परता दिखाते हुए कार्यवाही कर मात्र 2 घंटे के भीतर ही मूल निवास प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र जारी करवा दिए गए। परिवादी जितेंद्र सिंह ने भी इस तत्काल प्रमाण पत्र बनवाने एवं राहत देने के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

श्री राम धाम हनुमान सेवा समिति ने किया सम्मानित

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। डिग्गी मालपुरा रोड स्थित निकटवर्ति गांव अचरावाला में श्रीराम धाम हनुमान सेवा समिति ने पत्रकारों को उनके सामाजिक सरोकारों एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ संवादाता राधेश्याम हरितवाल और वरिष्ठ संवाददाता योगेश शर्मा को सेवा समिति की ओर से मंदिर के पुजारी प. कन्हैयाल शर्मा ने माल्यार्पण व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गणेश नारायण प्रधान, मदनलाल शर्मा, सीए महेश शर्मा, राजुलाल बागडा, जितेन्द्र बागडा, रमेश प्रधान, गोलु चैला, मनीष प्रधान, हरिमोहन शर्मा, बीएल बागडा आदि मौजुद रहे।

शहीद दिवस पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु जयपुर की विभिन्न गांधी संस्थाओं द्वारा शांति एवं सद्भावना मार्च तथा प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर महात्मा गांधी जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान AICC के पूर्व सचिव संजय बापना ने कहा कि शहीद दिवस उन सभी शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है जिन्होंने देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए अपना जीवन दिया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव रशीदुज्जमा खान (आसिम)

ने कहा कि यह दिवस हमें शहीदों के बलिदान की याद दिलाता अल्पसंख्यक विभाग के ब्यावर प्रभारी नदीम पठान ने कहा कि यह देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करता है। चिकित्सा प्रकोष्ठ के संगठन महासचिव कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि यह युवाओं को देश की सेवा में योगदान करने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर जयपुर शहर इंटक के महासचिव रामपाल सैनी एवं अन्य गणमान्य नेतागण उपस्थित रहे।

जयपुर में लड़कियों को दीनी व स्कूल की शिक्षा के लिए मदरसा गुलशन जेहरा शुरू

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ईदगाह रहीमान कॉलोनी में राजस्थान मदरसा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन मौलाना फजले हक द्वारा मदरसा गुलशन जहरा का उदघाटन व तालीम कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मौलाना कारी काज़ी वली मोहम्मद काज़ी अहेले सुन्नत, शहर जयपुर मौलाना राशिद इमाम नूरानी मस्जिद, सईद अल्वी प्रदेश अध्यक्ष सीरत कमेटी व रफीक गार्नेट और कई गणमान्य नागरिक रहे। इस अवसर पर मौलाना फ़जले हक़ ने कहा बच्चों का पहला स्कूल मां की गोद है अगर बच्चियां शिक्षित होगी तो समाज उन्नति करेगा। मदरसे की अध्यापिका आलिमा तसनीम खान कादरी को मुबारक बाद पेश करते है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पूर्व मैं इनकी तीस वर्ष अनुभव सेवाओं का लाभ बच्चों

को मिलेगा। सईद अलवी को मदरसा गुलशन जेहरा का निगरा बनाया गाया। प्रोग्राम में मदरसा के अध्यक्ष नासिर खान, उपाध्यक्ष वारिस खान, सेकेट्री [सचिव] फैज़ान खान ने इस्तेकबाल किया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 78 वीं पुण्यतिथि मनाई

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। गांधी चौक मनोहरपुर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 78 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अलाउद्दीन खान पूर्व सेवादल अध्यक्ष राकेश हलकारा, पूर्व सरपंच अर्जुन मोहनपुरिया, सामाजिक कार्यकर्ता महेश जढ़वाल, निसार खान, हनीफ खान, खेमचंद असवाल, गफ्फार सेठ, हमीद खान, विक्रम धोलीवाल, पंकज मिश्रा, सत्तार खान, महावीर सैनी, मनीष

बेनीवाल, रामस्वरूप बेनीवाल, कैलाश धोबी, इस्लाम खान, मनीष मालाकार, इमरान शाह, शकूर गौरी, मंगल सैनी, मुनीर मनियर आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजना की अंतिम तिथि 28 फरवरी तक बढ़ाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए उत्तर मैट्रिक छात्रवृति के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को 31 जनवरी से बढ़ाकर 28 फरवरी कर दिया गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि राज्य सरकार की मंशा आधिकाधिक पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जो छात्र आवेदन नहीं कर पाए हैं वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना तुरंत आवेदन करें। गहलोत ने कहा कि उत्तर मैट्रिक छात्रवृति के लिए छात्रवृति पोर्टल पर राजकीय (नवीन) या निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के पंजीयन या नवीनीकरण, कोर्स मैपिंग, मान्यता एवं पाठयक्रमवार फीस स्ट्रक्चर आदि अद्यतन करने, राजकीय एवं निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत विधार्थियों द्वारा पेपरलैस ऑनलाईन आवेदन पंजीकरण कर आवदेन करने के लिए तिथि बढ़ाई गई है। मंत्री ने बताया कि उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजना से संबंधित शिक्षण संस्थाओं के लिए छात्रवृति पोर्टल पर पंजीयन या नवीनीकरण, कोर्स मैपिंग, मान्यता पाठ्यक्रमवार फीस स्ट्रक्चर आदि सूचनाएं अपडेट करने के लिये पोर्टल पर व्यवस्था शुरू कर दी गई थी। उन्होंने कहा शिक्षण संस्थाएं अपनी संस्था से संबंधित सूचनाएं एवं दस्तावेजों की निर्धारित स्थान एवं निर्देशानुसार पूर्ति करना सुनिश्चित करें। सूचना सबमिट करने से पूर्व विशेष रूप से जांच लें कि सभी सूचना पूर्ण एवं सही भरी जाए। आवश्यक दस्तावेज एवं फीस की सूचना भी सही रूप में दर्ज करें। गहलोत ने कहा कि योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विशेष समूह योजना (पूर्व में विशेष पिछड़ा वर्ग), अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक पिछड़ा वर्ग, विमुक्त सहित अन्य छात्रवृति योजनाओं में आवेदन कर सकेंगे। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के छात्रवृति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि पहले 31 जनवरी निर्धारित की गई थी, अब विद्यार्थी 28 फरवरी तक एसएसओ पोर्टल पर ऑनलाइन छात्रवृति आवेदन कर सकेंगे। साथ ही संस्था द्वारा भी अपनी सूचनाएं पोर्टल पर 28 फरवरी तक अद्यतन की जा सकेगी।

डेज़्जलिंग किड्ज स्कूल ने छठवां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

-बच्चे अच्छे नागरिक बनकर देश निर्माण में अपना योगदान दे - काली चरण सराफ

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। डेज़्जलिंग किड्ज स्कूल प्रताप नगर सांगानेर ने अपना छठवां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ जानकी देवी ऑडिटोरियम में मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ की अध्यक्षता में मनाया जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में बगरू विधायक डॉक्टर कैलाश वर्मा, सुशील माथुर उपशासन सचिव ऊर्जामंत्री उपस्थित थे । बच्चों ने भारतीय विविधता में एकता का परिचय देते हुए पंजाबी, हरियाणवी, कश्मीरी, देशभक्ति एवं राजस्थानी गानों पर, सनातन धर्म पर गणेश वंदना, शिव तांडव, नवदुर्गा, झांसी की रानी, नारी सशक्तिकरण पर नृत्य प्रस्तुत कर अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया साथ ही वर्तमान में समाज

में व्याप्त बुराइयों जैसे मोबाइल की लत, फास्टफूड से शरीर पर बढ़ते दुष्प्रभाव, भ्रष्टाचार, घटते सामाजिक और मानविक मूल्यों को नाटक द्वारा मंच पर प्रस्तुत कर अभिभावकों को सचेत किया गया, कालीचरण ने बच्चों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर ओर विकसित भारत की संकल्पना से परिचय कराया, जिससे बच्चे अच्छे नागरिक बनकर देश निर्माण में अपना योगदान दे सके, विधायक डॉक्टर कैलाश वर्मा ने भी मोदी के स्वच्छ भारत मिशन ओर आत्मनिर्भर भारत के प्रयासों से परिचय करवाया ओर अच्छी शिक्षा ग्रहण करके देश के विकास में योगदान का संकल्प दिलाया। विद्यालय की निदेशक श्वेता गुप्ता ने नए सत्र ने कई नए नवाचारों जैसे इंग्लिश स्पीकिंग लैब, पावर मैथ्स और रीजनिंग के साथ बच्चों को भविष्य में कंपटीशन के लिए तैयार करने का अभिभावकों को विश्वास दिलाया अन्य उपस्थित अतिथियों में प्रिय रंजन IAS ने निदेशक श्रीमती श्वेता गुप्ता ओर विद्यालय स्टाफ के प्रयासों की सराहना की कैसे उन्होंने 3-4 साल के बच्चों को स्टेज पर प्रस्तुति के लिए तैयार किया उन्होंने बताया कि विद्यालय की अध्यापिका सही मायने में मां का दूसरा रूप होती है, सहायक पुलिस आयुक्त विनोद कुमार शर्मा, अंशुमान शास्त्री, प्रकाश शर्मा, नागेश गुप्ता, दिनेश गुप्ता, भारत गुप्ता, राजीव उपाध्याय, मुकेश शर्मा धर्मेंद्र शर्मा, बृजमोहन बंसल, सुरेंद्र, सोनू, प्रशांत, चंद्रशेखर शर्मा, संतोष शर्मा आदि उपस्थित थे।

जयपुर के कानोता, चंदलाई और नेवटा बांध प्रदूषित जल से जल्द होंगे मुक्त- भजनलाल शर्मा

• विशेषज्ञों की टीमें कर रही हैं बांधों पर अध्ययन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधन संवर्धन क्षेत्र में प्रभावी और दूरदर्शी कार्य किए जा रहे हैं। जल संसाधन विभाग द्वारा महत्वपूर्ण जल परियोजनाओं का समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे प्रदेश में जल गुणवत्ता सुधार के साथ पर्यावरण संतुलन और जनकल्याण कार्यों को गति मिली है। अब जयपुर के प्रमुख तीन बांधों कानोता, चंदलाई और नेवटा के जल को प्रदूषण मुक्त कर शुद्ध करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके लिए भारत सरकार से अधिकृत विशेषज्ञ (एजेंसी) तीनों बांधों पर विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं। इसके बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर राज्य सरकार को शीघ्र सौपीं जाएगी। अध्ययन में विशेषज्ञ जल गुणवत्ता में सुधार, प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, जीआईएस आधारित मानचित्रण, जैव विविधता संरक्षण, जल उपचार की आधुनिक तकनीकों का उपयोग तथा स्थानीय आजीविका सृजन और पर्यावरण पर्यटन की संभावनाओं पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता और दूरदृष्टि से राजस्थान जल और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक सशक्त और अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभर रहा है। सरकार के अभिनव प्रयास वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सतत् भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं।

रिपोर्ट में शामिल होगी दीर्घकालीन रूपरेखा:-

एजेंसी की रिपोर्ट में बांधों में जल प्रदूषण के कारणों, कहां से, कितनी मात्रा में और किस तरह का प्रदूषित जल आ रहा है आदि के बारे में बताया जाएगा। साथ ही, रोकथाम के प्रभावी उपाय, प्रदूषित जल निकास के विकल्प और बांधों

को लेकर दीर्घकालीन विकास की रूपरेखा का भी उल्लेख होगा। इसके अलावा सिंचाई के लिए बांधों से जल खेतों तक पहुंचाने की व्यवस्था आवश्यक मशीनरी और जल प्रबंधन प्रणाली के बारे में बताया जाएगा। इसके अतिरिक्त बांधों पर पर्यटन विकास की संभावनाओं को भी रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा। इसमें बोटिंग सुविधा, ग्रीन लैंड विकसित कर डे/नाइट टूरिज्म को प्रोत्साहन दिए जाने जैसे प्रस्ताव भी शामिल होंगे।

अभियान में कार्यों को मिली गति:-

उल्लेखनीय है कि जल व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामगढ़ बांध के भराव क्षेत्र में जमा मिट्टी एवं सफाई कार्य का शुभारंभ किया गया था। इसमें स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जो कि जन-सहभागिता आधारित विकास नीति का सशक्त उदाहरण है। इसके बाद पूरे प्रदेश में जल स्रोतों का संरक्षण, जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि और पारिस्थितिक संतुलन को पुनर्स्थापित करने के कार्य हुए।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सवाई माधोपुर का नाम रोशन डॉ. गणपत लाल वर्मा को मिला "चिकित्सा वैभव सम्मान"

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सहायक एवं स्वास्थ्य पेशेवरों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन – 2026 में सवाई माधोपुर के वरिष्ठ फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. गणपत लाल वर्मा को "चिकित्सा वैभव सम्मान" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें फिजियोथैरेपी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, शैक्षणिक प्रभाव तथा स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। सम्मान समारोह का आयोजन एनआईएमएस विश्वविद्यालय, जयपुर के अंतर्गत एनआईएमएस फिजियोथैरेपी एवं ऑक्यूपेशनल थैरेपी महाविद्यालय

द्वारा 30 व 31 जनवरी 2026 को किया गया। दो दिवसीय इस राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों से लगभग दो हजार से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके साथ ही अनेक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि, शिक्षाविद्, चिकित्सक एवं शोधकर्ता भी सम्मेलन में उपस्थित रहे। सम्मान प्राप्ति के अवसर पर डॉ. गणपत लाल वर्मा ने अपने मार्गदर्शक डॉ. अजीत सहारण के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन, सहयोग और प्रेरणा उनके शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय कार्यों में सदैव सहायक रहा है। डॉ. वर्मा को प्राप्त यह सम्मान न केवल उनके लिए, बल्कि सवाई माधोपुर जिले तथा राजस्थान के स्वास्थ्य एवं फिजियोथैरेपी क्षेत्र के लिए भी एक गौरवपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

सेठ बजरंग लाल तापड़िया को दी श्रद्धांजलि

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। लाडनूं तहसील के क्षेत्र जसवंतगढ़ के दानदाता, भामाशाह और जनहितैषी जाने माने व्यक्तित्व के धनी सेठ बजरंग लाल तापड़िया के स्वर्ग वास पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और उनके कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ तथा जनहित के तमाम कार्य करवाने वाले दानदाता भामाशाह तापड़िया को सदैव याद रहेंगे और आने वाली पीढ़ी के लिए उन्नति, विकास व रोजगारपरक मार्ग प्रशस्त करेंगे। 93 साल के सेठ बजरंग लाल तापड़िया सुप्रीम फाउंडेशन के मुख्य ट्रस्टी थे और देश के नामी उधोग पति, समाज सेवी, सरल, सोम्य विद्वान व्यक्तित्व तथा बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। कृतज्ञ हृदय के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय बजरंगलाल जी तापड़िया सुपुत्र स्व. सूरजमल जी तापड़िया, गली नम्बर 3 का स्वर्गवास दिनांक 30 जनवरी 2026 को हो गया है। परम आदरणीय लाडनूँ क्षेत्र के प्रख्यात भामासाह बजरंगलाल तापडिया के निधन का समाचार सुन कर गहरा दुःख हुआ भगवान उनकी दिवंगत आत्मा को चिर शांति व मोक्ष प्रदान करे तथा परिजनों को इस गहरे दुख को सहन करने की क्षमता प्रदान करे दिवंगत आत्मा को शत् शत् नमन प्रणाम तापडियाजी के निधन से क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है पूरा क्षेत्र उनके निधन पर बहुत दुख

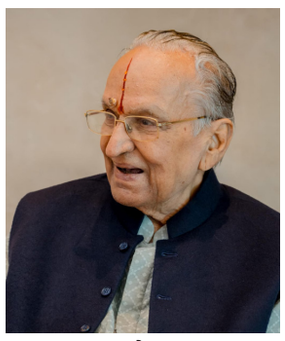

व्यक्त कर रहा है वह सरल हृदय मृदु स्वभाव के महान व्यक्तित्व के धनी थे। इस अवसर पर लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, पंचायत समिति प्रधान हनुमानाराम कासनीया, नगर पालिका अध्यक्ष रावत खां, उपाध्यक्ष मुकेश खिंची, सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी, कालूराम गेनाणा, पार्षद एमडी इदरीस खान, नरेंद्र भुतोड़ीया, कैलाश निठारवाल, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष जयराम बुरड़क, शहर कांग्रेस अध्यक्ष होसियार अली खां, सुमित्रा आर्य, अयूब खां मोयल, समाजसेवी लियाकत अली खां, जलदाय विभाग के पूर्व सहायक अभियंता नोरतनमल रेगर, एडवोकेट नबाब खां, एडवोकेट भगवती प्रसाद शर्मा, एडवोकेट हरीश मेहरडा, एडवोकेट जयश्री डुकिया, एडवोकेट महावीर गुजर, एडवोकेट मोनू खां, एडवोकेट इमरान, एडवोकेट सलीम खां मोयल, एडवोकेट गजानंद शर्मा आदी के द्वारा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

पद्मश्री गफरुद्दीन मेवाती का अलवर निवास पर हुआ भव्य स्वागत-सत्कार

अलवर (रॉयल पत्रिका)। समाज के गौरव, शिक्षा एवं राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले तथा पद्मश्री सम्मान से अलंकृत गफरुद्दीन मेवाती के अलवर स्थित निवास पर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर पद्मश्री गफरुद्दीन मेवाती का अभिनंदन किया तथा समाज, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान की मुक्तकंठ से सराहना की। साथ ही पद्मश्री सम्मान प्रदान किए जाने हेतु देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के प्रति आभार व्यक्त

किया गया। प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने अपने संबोधन में कहा कि पद्मश्री गफरुद्दीन मेवाती जैसे व्यक्तित्व समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी गणमान्यजनों एवं कार्यकर्ताओं ने पद्मश्री गफरुद्दीन मेवाती के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना की। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जंग बहादुर पठान एवं अयूब खान, प्रदेश मंत्री आलम शौकीन, सोशल मीडिया सह-संयोजक आरिफ खान धीमरी, मोर्चा अलवर दक्षिण जिला अध्यक्ष इब्राहिम खान, अलवर उत्तर जिलाध्यक्ष सहरून खान, भरतपुर जिला अध्यक्ष याकूब खान, पहाड़ी पंचायत समिति प्रधान मुबीन खान, कुलवंत सिंह, जावेद खान, जाकिर हुसैन, सहजाद खान सहित बड़ी संख्या में मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा तहसील सभा महवा के तत्वावधान में विश्वकर्मा जयंती मनाई

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। लिटिल फ्लावर स्कूल से 501 महिलाओं द्वारा मंगल कलश व विभिन्न झाकियों के साथ यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा मंडावर रोड से शुरू होकर मुख्य बाजार से होती हुई तहसील रोड होते हुए विश्वकर्मा मंदिर तक पहुंची। जहाँ पर समाज क़े लोगों द्वारा हवन यज्ञ एवं पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक राजेंद्र मीणा रहे द्वारा कस्बे के हिंडौन रोड के चौराहे पर विश्वकर्मा सर्किल का निर्माण करवाने के लिए लगभग 7 लाख की स्वीकृति पत्र समाज के लोगों को सुपुर्द किया। इस दौरान समाज के लोगों ने विश्वकर्मा जयंती पर राजकीय अवकाश घोषित किए जाने की मांग को

लेकर विधायक को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर अखिल भारतीय जांगिड़ महासभा के संरक्षक डॉ. मुकेश समलेटी, प्रदीप बालाहेड़ी, महासभा उप प्रधान मुकेश गहनोली, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन लाल रामगढ़, अशोक राजोरिया, तहसील अध्यक्ष तुलसी राम हुडला, पूर्व तहसील अध्यक्ष रामेश्वर खेडला गद्दाली तथा जिला सभा के पदाधिकारी राजू हुडला, सतीश रोत, रामेश्वर भूसावर, दीनदयाल खानपुर, विष्णु, रामगुनी, ढड जयकिशन गाजीपुर, भगवान सहाय, दीनदयाल खेडला, मदन लाल दयानन्द, दिनेश, सुरेश रामगढ, मोहन लाल पटोली सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

गुजरात में संगठन सुदृढ़ीकरण के लिए इंजि. इंसाफ अली आज़ाद का 5 दिवसीय दौरा

कोटा (रॉयल पत्रिका) । 30 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के राष्ट्रीय संयोजक एवं अनुशासनात्मक समिति के सदस्य तथा गुजरात प्रदेश के प्रभारी इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद के निजी सचिव हरिश कुमार द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गुजरात प्रदेश में संगठनात्मक पुनर्निर्माण, अल्पसंख्यक समुदायों तक प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करने तथा जमीनी स्तर पर कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को सशक्त बनाने के उद्देश्य से इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद 30 जनवरी से 02 फ़रवरी 2026 तक गुजरात के 05 दिवसीय विशेष एवं रणनीतिक

आधिकारिक दौरे पर हैं। इस क्रम में 30 जनवरी 2026 को वे रात्रि 10:10 बजे कोटा से प्रस्थान कर 31 जनवरी 2026 को प्रातः 06:15 बजे सूरत पहुँचे। सूरत आगमन के पश्चात सायं 6:00 बजे वे माननीय इमरान प्रतापगढ़ी साहब, अध्यक्ष, AICC अल्पसंख्यक विभाग एवं सांसद (राज्यसभा) के निर्देशानुसार आयोजित "जॉइन संगठन सृजन" कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। यह कार्यक्रम वजीर खान पठान, अध्यक्ष, गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के साथ-साथ प्रदेश एवं जिला कांग्रेस नेतृत्व की उपस्थिति में, जिला कांग्रेस कमेटी (DCC) सूरत द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसके संयोजक अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष क़दर सेलोट एवं उनकी टीम है। दौरे के दौरान विभिन्न संगठनात्मक बैठकें, संवाद कार्यक्रम एवं रणनीतिक चर्चाएँ प्रस्तावित हैं, जिनका उद्देश्य गुजरात में कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं जनसमर्थक बनाना है। शेष कार्यक्रमों की जानकारी शीघ्र साझा की जाएगी।

खेजड़ी बचाओ अभियान को भी बजट में स्थान दें- एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति

चुरु (रॉयल पत्रिका)। जिला सीवील राइट सोसायटी के जिला अध्यक्ष एवं हर खेत खेजड़ी तोर ई अभियान के संयोजक एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति ने पर्यावरण संरक्षण के लिए बजट में खेजड़ी बचाओ अभियान के लिए सुव्यवस्थित बजट की व्यवस्था का राज्य व केंद्र सरकार को सुझाव दिया है उन्होंने बताया कि सहकारी समितियों, ग्राम पंचायत, राशन डीलर्स, कृषि पर्यवेक्षक किसी भी इकाई के माध्यम से बजट में व्यवस्था के लिए पैड़ पौधों को दिर्घायु बनाने के लिए इनकी सुरक्षा, निरोग रखने के लिए जमीनी स्तर पर अभियान चलाकर संसाधन की व्यवस्था हेतु बजट में शामिल करना चाहिए। इस व्यवस्था में बजट का खर्च हर कृषक, मजदुर या हर घर

का व्यक्ति 1 किलो चुना कली में बीस ग्राम निला थोथा का मिश्रण कर पानी में भिगो कर पेड़ के जड़ में जमीन से साढ़े तीन फुट ऊंची पुताई चारों ओर वर्ष में दो बार करने से खेजड़ी सहित सभी छायादार, फलदार पेड़ पौधें निरोग रख सकता है राजस्थान मे खास तौर से खेजड़ी सुख कर जाने की मरुस्थलीय क्षेत्र में हर गांव ही नहीं हर खेत की विकट समस्या है इस से समय रहते निजात पाना जरूरी है। ये नीला थोथा ओर चुना कली हर गांव में हर कीसान तक पंहुच के लिए पर्यावरण संरक्षण बजटीय व्यवस्था रचनात्मकता कदम साबित होगा। फलदार पौधा को निरोग होने से उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और छायादार पौधे के दिर्घायु होने से ईंधन और चारे को बढ़ावा मिलेगा। उदाहरण स्वरुप बुजुर्गो का मानना है कि खेजड़ी का पेड़ एक बार लगाने के बाद दस ग्यारह पिढियों तक सांगरी की सब्जी, पंछियों के लिए छाया,मानव के पुरे जिवन भर ईंधन और पशुओं की लिए चारा देती है और खेजड़ी जन्म से लेकर सौलह संस्कार तक उपयोगी साबित हो रही है यहां तक कि अन्तिम यात्रा में भी साथ निभाती है।

मेरिट छात्र को सम्मान:

रिडमलसर के प्रांजल को मिला ₹31,000 का चेक

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रिडमलसर के होनहार छात्र प्रांजल को ₹31,000 की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया गया। यह राशि श्रीगंगानगर संगठन मंत्री जसकरण सिंह द्वारा अपनी माता-पिता की स्मृति में प्रारंभ की गई उस घोषणा के अंतर्गत प्रदान की गई, जिसमें मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने का संकल्प लिया गया था। घोषणा के अनुरूप आज आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, प्रियंका बेलन एवं जसकरण सिंह द्वारा छात्र प्रांजल को ₹31,000 का चेक सौंपा गया। उल्लेखनीय है कि छात्र प्रांजल ने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रतिशत अंक प्राप्त कर मेरिट सूची में स्थान हासिल किया, जिससे उसने न केवल अपने विद्यालय बल्कि अपने परिवार और क्षेत्र का भी नाम रोशन किया है। इस अवसर पर वक्ताओं ने प्रांजल को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलने से अन्य छात्र भी मेहनत और लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे।

पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार हमीदा बेगम ने चूरू निजी निवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार श्रीमती हमीदा बेगम ने अपने निजी निवास चूरू पर ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए लोगों से मुलाकात की ओर शहर के गणमान्यजनों से शहर की दशा और दिशा पर चर्चा की जब मनरेगा के बारे में ग्रामीणों ने चर्चा की तो आपने कहा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह योजना न केवल अकुशल श्रमिकों को साल में 100 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी देती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन और बुनियादी ढांचे के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मेरे विचार में, मनरेगा ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण पलायन को रोकने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। हालांकि, समय पर भुगतान न

होना और भ्रष्टाचार जैसी चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि इन खामियों को दूर किया जाए, तो यह योजना समावेशी विकास का सबसे सशक्त माध्यम बनी रहेगी। लाभार्थियों के लिए नरेगा जॉब कार्ड जैसे डिजिटल टूल पारदर्शिता बढ़ाने में सहायक रहे हैं। गरीबों का सुरक्षा कवचः पार्टी के अनुसार, यह योजना केवल रोजगार नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जिसने करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।

बदलाव का विरोधः

वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा योजना का नाम बदलकर "विकसित भारत - जी राम जी" (VB-G RAM G) करने और इसमें किए जा रहे संरचनात्मक बदलावों का कांग्रेस कड़ा विरोध कर रही है। यह गरीबों के अधिकारों पर हमला है भाजपा सरकार बजट में कटौती और भुगतान में देरी करके इस कानूनी अधिकार को कमजोर कर रही है। यह सरकार नाम बदलकर मनरेगा को कमजोर बनाना चाहती है। मास्टर मुंशीराम खारा, राकेश कुमार, नरेंद्र शर्मा, कालूराम, महबूब खान, राधेश्याम, अली खान आदि लोग उपस्थित थे।

घांघू के कुमार अजय को सुरजाराम जालीवाला राजस्थानी सृजन सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। 'रिंकी टेलर' और 'संजीवणी' जैसी चर्चित राजस्थानी किताबों के रचयिता युवा लेखक कुमार अजय को सृजन सेवा संस्थान, श्रीगंगानगर की ओर से सुरजाराम जालीवाला राजस्थानी सृजन सम्मान प्रदान किया जाएगा। शुक्रवार शाम संस्थान की ओर से अपने वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा की गई। संस्थान के अध्यक्ष अरूण शहैरिया 'ताइर' और कृष्ण कुमार आशु के मुताबिक कुमार अजय को उनके राजस्थानी सृजन के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। संस्थान की ओर से प्रख्यात विचारक-आलोचक डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल, प्रख्यात कथाकार मनीषा कुलश्रेष्ठ, कैलाश मनहर, डॉ. मदन सैनी, कथादेश के संपादक डॉ. हरिनारायण, पवन पहाड़िया,

मोनिका गौड़ आदि को भी पुरस्कृत-सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चूरू जिले के गांव घांघू में 24 जुलाई 1982 को जन्मे कुमार अजय राजस्थानी और हिंदी के चर्चित लेखक है। राजस्थानी में उनके कविता संग्रह 'संजीवणी', 'ऊभौ हूं अजै', 'रिंकी टेलर' काफी चर्चित रहे हैं, वहीं हिंदी में कविता संग्रह 'कहना ही है तो कहो' एवं डायरी पुस्तक 'मैं चाहूं तो मुस्करा सकता हूं' और 'आत्माओं में घुले दुख' उनकी उल्लेखनीय पुस्तकें हैं।इसके अलावा संपादन और अनुवाद के क्षेत्र में भी उन्होंने महत्त्वपूर्ण कार्य किया है। इससे पूर्व कुमार अजय साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार 2013, श्रीमती बसंती देवी धानुका युवा साहित्यकार पुरस्कार, ग्राम गदर पत्रकारिता पुरस्कार 2006, कुलिश स्मृतिः कलम से स्वराज पत्रकारिता पुरस्कार 2007, मायड़ रत्न अलंकरण सहित अनेक पुरस्कार-सम्मान से समादृत हो चुके हैं। कुमार अजय वर्तमान में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में उप निदेशक पद पर कार्यरत हैं। कुमार अजय को यह सम्मान दिए जाने की घोषणा पर अंचल के लेखकों-साहित्यप्रेमियों, पत्रकारों, जनसम्पर्ककर्मियों और उनके शुभचिंतकों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

ग्राम उत्थान शिविर आयोजित हुये

-शिविर से किसान लाभान्वित

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की पहल पर किसानों एवं ग्रामीण जनों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन जिले में किया जा रहा है। शनिवार को जिले में सभी 8 गिरदावर सर्किलो पर शिविर आयोजित हुये। शनिवार को कूरना में, रोहट के माण्डावास में, मा. जंक्शन के जोजावर में, सोजत के चाडवास में, देसूरी के डायलाना कलां में, रानी के देवली मे, बाली के बीजापुर में, सुमेरपुर के साण्डेराव में शिविर आयोजित किये गये। शनिवार को कूरना में शिविर आयोजित किया गया जिसमे हजारों लोगों ने भाग लिया। शिविर में तारबंदी के 36 आवेदन,पाईप लाईन के 7, फार्म पौण्ड के 4, फसल बीमा की 635 जनो को जानकारी, 1020 को एमएसपी की जानकारी, कृषि योजनाओं की 1500 को जानकारी, 20 सायल हैल्थ कार्ड वितरण, 374 मिनी किट वितरण सत्यापन, 374 बीज वितरण सत्यापन किया, फव्वारा संयत्र के आवेदन 30, सौर पम्प आवेदन 10, तीन हजार को उधानिकी विभाग योजनाओं की जानकारी, सौलर पंप आवेदन 1, पाली हाउस के लिये आदि कार्य किये गये। इस अवसर पर शिविर में प्रशासक लाभूराम देवासी, शिविर प्रभारी मीनाक्षी अन्य विभागों के अधिकारी कार्मिक व आमजन मौजूद रहे। जिले में चाडवास, सांडेराव, डायलाना कलां आदि में भी शिविर आयोजित कर लाभान्वित किया गया।

1 फरवरी को यहां होगे शिविर :

1 फरवरी को पाली जिले के रूपावास में, रोहट के जैतपुर में, सोजत के शिवपुरा में, मा. जंक्शन के धनला में, देसूरी के मगरतलाव में, रानी के सोमेसर में, बाली के सेवाड़ी में, सुमेरपुर के पालड़ी में, शिविर आयोजित किये जायेगे।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सड़क सुरक्षा माह के समापन समारोह में की शिरकत

- अभियान में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को किया सम्मानित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सड़क सुरक्षा माह के समापन के अवसर पर शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित राजकीय लोहिया महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की और सड़क सुरक्षा माह के दौरान जिले में हुई विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों तथा महाविद्यालयों के विद्यार्थियों तथा परिवहन व पुलिस विभाग के कार्मिकों को प्रशस्ति—पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि हेलमेट व सीट बेल्ट बोझ नहीं है, बल्कि रक्षा कवच है। हम सड़क पर यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें और परिवेश के लोगों को भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि देश में सड़क दुर्घटना में प्रति मिनट करीब 03 मृत्यु हो जाती हैं और जिले का औसतन देखें तो प्रतिदिन करीब एक आदमी एक आदमी अपनी जान खो देता है। हमें ना सिर्फ स्वयं सुरक्षित रहना है, वरन अपने वाहन चालन व्यवहार को इस प्रकार नियन्त्रित करना है कि हम दुर्घटना का शिकार ना हो। इसलिए हम इन सबसे सीख लेते हुए वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने, दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने तथा चौपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करें। पुलिस उप अधीक्षक सुनील कुमार झाझड़िया ने राहगीर योजना के बारे में बताया तथा विद्यार्थियों से सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को गोल्डन अवर में तुरन्त अस्पताल पहुंचाने व यातायात नियमों का पालन करने की बात कही। प्राचार्य डॉ. मंजू शर्मा ने वर्तमान समय में सीख से सुरक्षा की बात रखते हुए कहा कि वर्तमान में हमें दुर्घटना देखकर ही समझ जाना चाहिए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। सड़क सुरक्षा क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. हेमन्त मंगल ने सभी विद्यार्थियों

से सड़क पर वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने की बात कही।जिला परिवहन अधिकारी नरेश कुमार बसवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की सम्पूर्ण रूपरेखा प्रस्तुत की व सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में जानकारी दी। सुजानगढ़ जिला परिवहन अधिकारी बजरंग खीचड़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता में उत्कृष्ट कार्य करने पर परिवहन निरीक्षक रोबिन सिंह, कन्हैयालाल यादव, सुरेश बिश्नोई, मुकेश सोनी, सहायक लेखाधिकारी सत्यपाल सिंह, सूचना सहायक दीपक कुमार सैनी, जयसिंह राठौड़, राकेश कस्वां, राजेश सिंह, गार्ड डॉ. जयप्रकाश बैरवाल, डॉ. अशोक पूनिया, सहायक आचार्य डॉ. सुखवीर, एएसआई नरेन्द्र सिंह, रामनिवास एवं एनआईसी आईरेड से पियूष पानी आदि सहित जिले की सभी तहसीलों में सड़क सुरक्षा पर हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान डॉ. सुमेर सिंह, डॉ. शालिनी हेमकार, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. जयप्रकाश, डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह, डॉ. सुखवीर सहित अन्य उपस्थित रहे। संचालन डॉ. हरीश शर्मा ने किया।

चूरू आगमन पर सांसद कुलदीप इंदौरा का किया स्वागत- चौहान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस जनों ने गंगानगर सांसद कुलदीप इंदौरा का स्वागत किया। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि सांसद कुलदीप इंदौरा निजी कार्यक्रम चूरू आगमन पर रात वंदे भारत ट्रेन से पहुंचने पर स्वागत करता प्रदेश कांग्रेस सचिव रियाजत खान, विकाश मील, युवा नेता हेमन्त सिहाग, छात्र नेता इरफ़ान भाटी, बिलाल सैय्यद, कैफ खोखर, मुश्ताक पीथीसर, पंकज गुजर, ज़ाकिर चौहान, अली हसन गोरी, अकरम खान आदि ने स्वागत

किया। जमील चौहान ने सांसद कुलदीप इंदौरा को अप्रवासी भिवंडी चूरू वालो ट्रेन ठहराव कल्याण भिवंडी (महाराष्ट्र) के लिए पत्र दिया और दिल्ली से बीकानेर वंदे भारत ट्रेन का समय दिल्ली से रवानगी शाम 7 बजे होने से आमजन को काफी फायदा होगा और इस ट्रेन में यात्री भार बढ़ेगा और रेवेन्यू भी बढ़ेगा जिससे इस ट्रेन की अच्छी परफोर्मेंस रहेगी ।

भामाशाहों का सहयोग विद्यालय प्रगति की मजबूत नींव - मंत्री कुमावत

-कैबिनेट मंत्री ने गार्गी पुरस्कार विजेता छात्राओं का किया सम्मान -16 दानदाताओं-भामाशाहों का भी किया सम्मानित

सुमेरपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुमेरपुर का वार्षिकोत्सव एवं भामाशाह सम्मान समारोह-2026 शनिवार को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। समारोह में 10 की छात्रा प्रिया सोहन सिंह को गार्गी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मान स्वरूप 1100 रुपए नकद व मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं, 12 वीं की 75% से अधिक अंक पाने वाली 9 मेधावी छात्राओं को बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी 10 बालिकाओं को प्रधानाचार्य डिंपल चौधरी की ओर से सम्मान स्वरूप 1100 व 500 रुपए नकद राशि देकर प्रोत्साहित किया गया। साथ ही कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने शिक्षा के क्षेत्र में उन्नयन के लिए सहयोग देने वाले 16 दानदाताओं-भामाशाहों को उनके कार्य के लिए सम्मानित किया। उन्होंने भामाशाहों को स्मृति चिन्ह देकर, साफा व फूलमालाएं पहनाकर उनका सम्मान किया। वहीं, विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन व कक्षावार प्रथम व द्वितीय रही

कुल 110 छात्राओं तथा सर्वश्रेष्ठ अनुशासित छात्रा को भी मेडल देकर सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न विषयों में श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने वाले अध्यापकों तथा स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस के जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कुमावत ने सम्मानित होने वाली छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यालय के विकास में सहयोग देने वाले भामाशाहों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भामाशाहों का सहयोग विद्यालय की प्रगति की मजबूत नींव है। कुमावत ने कहा कि इनसे प्रेरणा लेकर समाज के अन्य लोग भी शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए प्रेरित होंगे। कार्यक्रम में तहसीलदार हिमांशु कच्छावा, बीसीएमओ गोविंद सिंह चुण्डावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पूनम सिंह, प्रधानाचार्य डिंपल चौधरी व डिंपल भाटी, नगरपालिका निवर्तमान उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा, मंडल अध्यक्ष रविकांत रावल, निवर्तमान जिला परिषद सदस्यशिवराज सिंह, भामाशाह हरीश राठी, दिव्यांश कुमार, रमेश कुमार देवासी, माधव, तख्त सिंह राठौड़ सहित शिक्षक, अभिभावक, ग्रामीणजन और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सामाजिक समरसता का संगम बना हिन्दू सम्मेलन, हजारों की संख्या में लोग हुए शामिल

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर नगर के विवेकानंद बस्ती का विराट हिंदू सम्मेलन शनिवार को रणथंभौर विलास गार्डन में आयोजित हुआ । बस्ती अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह एवं कार्यक्रम संयोजक गिरीश शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में सुभाष नगर, ब्रह्मपुरी, कुतलपुरा जाटान, हिम्मतपुरा, विवेकानंदपुरम, विज्ञान नगर, गणपति नगर, महावीर नगर सहित आसपास के क्षेत्र से भव्य कलश यात्रा, संजीव झांकियां ढोल नगाड़ों के साथ कार्यक्रम में पहुंची, जहां समिति के सदस्यों ने यात्राओं की अगुवाई की । कार्यक्रम में

मुख्य वक्ता के रूप में दुर्गादास उपस्थित रहे, मुख्य वक्ता ने कहा कि पुरातन संस्कृति को आत्मसात कर व्यवहार में लाना एवं स्वत्त्व को पहचानकर पुनः इसी भारत माता को गौरवशाली एवं विश्व गुरु बनाने का आह्वान किया, इस अवसर पर संरक्षक के रूप में त्रिनेत्र गणेश मंदिर के प्रधान सेवक हिमांशु गौतम, निकुंज गौतम, पूज्य संत दयालु गौड़ ,पूज्या संत साहिबा दास महाराज उपस्थित रहे।

कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ ने किया धावक मोहित सिंह हाड़ा का स्वागत

-मोहित ने 26 घंटे की निरंतर दौड़ से रचा इतिहास

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिले के प्रतिभावान मैराथन धावक मोहित सिंह हाड़ा ने 26 घंटे तक निरंतर दौड़ लगाकर एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराते हुए इतिहास रचा। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से बारां जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। मोहित सिंह हाड़ा की इस अभूतपूर्व सफलता पर कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ बारां द्वारा उन्हें सम्मान पत्र, शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रदेश कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष अमीन पठान ने भी मोहित की इस सफलता को सराहते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियां जिले में खेल संस्कृति को सशक्त करेंगी और युवाओं को खेलों से जोड़ने का कार्य करेंगी, यह उपलब्धि न केवल बारां बल्कि पूरे राजस्थान के खेल जगत के लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, पूर्व जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक विभाग शाहिद कुंडी, कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी, प्रदेश सचिव कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ सत्येंद्र कुमार गोयल, सदस्य काँग्रेस खेल प्रकोष्ठ, महेंद्र कुमार योगी, खेमराज सिंह रहलाइ सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कारवाड़ मीना में MLA फंड से बनी आंगनबाड़ी पाठशाला का लोकार्पण, बच्चों की शिक्षा पर जोर

हनीस शेख

हिण्डौन (रॉयल पत्रिका)। करौली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कारवाड़ मीना में MLA फंड से नवनिर्मित आंगनबाड़ी पाठशाला का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने विधायक दर्शन सिंह गुर्जर का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने कहा कि आंगनबाड़ी पाठशाला बच्चों के भविष्य को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास से जुड़े कार्य लगातार किए जा रहे हैं ताकि आमजन को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशानी न हो। कार्यक्रम के दौरान जल जीवन मिशन से

जुड़े कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के मानदेय भुगतान को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए। इसके अलावा मनरेगा से जुड़े कार्यों को गति देने के लिए पंचायत स्तर पर आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन से जुड़े लोग, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस पर सम्मानित प्रियंका चौधरी का खेड़ा में स्वागत, क्षेत्र में खुशी का माहौल

हनीस शेख

हिण्डौन (रॉयल पत्रिका)। करौली जिले के गांव खेड़ा निवासी प्रियंका चौधरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला। शनिवार दोपहर खेड़ा गांव में अखिल भारतीय अब्बासी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश सचिव कलमुद्दीन खान के नेतृत्व में प्रियंका चौधरी का स्वागत किया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने प्रियंका चौधरी का पारंपरिक तरीके से साफा और माला पहनाकर अभिनंदन किया। बताया गया कि प्रियंका चौधरी ने जयपुर विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम के तहत करौली जिले का प्रतिनिधित्व किया था, जिससे जिले का नाम आगे बढ़ा। प्रदेश सचिव कलमुद्दीन खान ने कहा कि प्रियंका चौधरी की इस उपलब्धि से जिले और क्षेत्र के लोग गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और उम्मीद है कि वह आगे भी इसी तरह जिले का नाम रोशन करती रहेंगी। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष गीता चौधरी का भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय अब्बासी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश सचिव कलमुद्दीन खान, भाजपा मंडल अध्यक्ष गीता चौधरी, जुबैर खान, इस्कान बानो, पायल चौधरी सहित अन्य स्थानीय लोग मौजूद रहे।

नवज्ञान ज्योति सीनियर सैकेंडरी स्कूल के वार्षिक उत्सव पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए

-बड़ी ही धूमधाम से नन्हे मुन्ने बच्चों ने किया नृत्य

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर उस्मानाबाद कॉलोनी स्थित नव ज्ञान ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिक उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किया स्कूल का वार्षिक उत्सव हर छात्र-छात्राओं के लिए साल का सबसे रोमांचक दिन होता है। यह दिन न केवल मनोरंजन का है, बल्कि छात्रों की प्रतिभा को निखारने का भी एक बेहतरीन मंच है। इस अवसर पर स्कूल परिसर को रंग-बिरंगे झंडों और रोशनी से खूबसूरती से सजाया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत आमतौर पर मुख्य अतिथि के स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ होई। इसके बाद छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, नाटक, संगीत और कविता पाठ की शानदार प्रस्तुतियाँ दी हैं। पूरे साल शैक्षणिक और खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य द्वारा वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी गई, जिसमें स्कूल की उपलब्धियों का

विवरण दिया गया। यह दिन सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए खुशी और गर्व के पलों से भरा हुआ होता है, जिसकी यादें लंबे समय तक मन में बनी रहती हैं। स्कूल स्टाफ वंदना प्रजापत, विकास चौबे, सलीम खान, पूजा कवर, शोएब चौहान, कयूम खान, सीमा शेखावत, तारा, रिया कोठारी आदि ने सभी छात्र -छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की स्कूल निदेशक अरशद खान ने सभी का आभार व्यक्त किया । सफल संचालन प्रधानाचार्य सत्तार खान ने किया।

418 ग्राम अफीम व 8 किलो 556 ग्राम डोडा पोस्त बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार, कार जब्त

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिले में नशा मुक्त अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। घमुड़वाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 418 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम एवं 8 किलो 556 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर मादक पदार्थों के परिवहन में प्रयुक्त अल्टो कार को भी जब्त किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने जानकारी देते हुए बताया कि महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रेंज बीकानेर के निर्देशानुसार एवं जिला प्रशासन व जिला पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में "ऑपरेशन सीमा संकल्प" के तहत जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस निरीक्षक राजेन्द्र सिंह, थानाधिकारी पुलिस थाना घमुड़वाली के नेतृत्व में मय थाना स्टाफ द्वारा एक वाहन की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान चालक के कब्जे से 418 ग्राम अफीम एवं 8 किलो 556 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से विजय सिंह पुत्र आत्माराम, उम्र 34 वर्ष, निवासी 66 एलएनपी, थाना घमुड़वाली को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। साथ ही मादक पदार्थों के परिवहन में प्रयुक्त अल्टो कार को जब्त किया गया है। पुलिस टीम में थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह के साथ उप निरीक्षक सतीश चौहान, सुरेश चन्द्र, महेन्द्र, धर्मेन्द्र, नाजम सिंह, दिनेश, पवन, लखवीर सिंह, देवपाल सहित महिला कांस्टेबल संगीता व मनोज कंवर की अहम भूमिका रही। कार्रवाई में कांस्टेबल दिनेश कुमार की विशेष भूमिका रही।

श्याम मेटालिक्स का एस-ई-एल टाइगर टीएमटी बार्स मध्य प्रदेश में रणनीतिक बाजार विस्तार

सतना। श्याम मेटालिक्स का प्रमुख टीएमटी ब्रांड एस-ई-एल टाइगर टीएमटी बार्स एक केंद्रित क्षेत्रीय विस्तार रणनीति के तहत मध्य प्रदेश में अपनी पकड़ को मजबूत कर रहा है, जिससे राज्य को कंपनी के राष्ट्रीय व्यवसाय रोडमैप में एक प्रमुख विकास चालक के रूप में स्थापित किया जा रहा है। यह पहल राज्य के शहरी केंद्रों, उभरते कस्बों और इंफास्ट्रक्चर कॉरिडोर्स में बढ़ती निर्माण गतिविधियों के अनुरूप है। मध्य प्रदेश एस-ई-एल टाइगर टीएमटी बार्स के लिए एक अहम बाजार बनकर उभरा है, जहां आवासीय निर्माण, सरकारी नेतृत्व वाले बुनियादी ढांचा विकास, और वाणिज्यिक एवं संस्थागत निर्माण में स्थिर वृद्धि से मांग को बल मिल रहा है। राज्य में ब्रांड का फोकस अंतिम छोर तक उपलब्धता को मजबूत करने और ठेकेदारों, इंजीनियरों एवं बिल्डरों के साथ दीर्घकालिक जुड़ाव बनाने पर है, जो परियोजना स्थलों पर खरीद निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बढ़ती आवासीय जरूरतें, जारी सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, और गुणवत्ता निर्माण सामग्री के महत्व के प्रति बढ़ती जागरूकता जैसे मजबूत कारक, विश्वसनीय और निरंतर प्रदर्शन देने वाले स्टील उत्पादों की ओर प्राथमिकता को बढ़ावा दे रहे हैं।

पेंशन पर टैक्स को अन्य फिक्स्ड-इंटरेस्ट साधनों के अनुरूप बनाया जाए: वेंकी

मुंबई, एजेंसी। लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल की इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी के को-चेयरपर्सन वेंकी अय्यर ने कहा, पेंशन पाने वालों की आमदनी पर टैक्स का असर ज़्यादा पड़ता है। हमारा मानना है कि

पेंशन पर टैक्स की व्यवस्था को अन्य फिक्स्ड-इंटरेस्ट साधनों के अनुरूप बनाया जा सकता है, जहाँ केवल ब्याज या मुनाफे पर ही टैक्स लगाया जाए। इससे रिटायरमेंट के बाद पेंशनधारकों के हाथ में आने वाली आमदनी बढ़ेगी और जीवन बीमा के ज़रिए लंबी अवधि की बचत को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, जो पेंशनधारक अपनी पूरी राशि यानी कॉर्पस को कम्यूट नहीं करते हैं, उन्हें स्टैंडर्ड डिडक्शन की सुविधा दी जानी चाहिए। इससे सभी पेंशनधारकों के लिए टैक्स में समानता सुनिश्चित हो सकेगी।

हिन्दुस्तान ज़िंक ने वेदांता मेटल बाजार पर जिंक मूल्य लॉन्च किया

देश की एमएसएमई के लिए रियल-टाइम मार्केट एक्सेस का होगा विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर, विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और विश्व स्तर पर शीर्ष पांच चांदी उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड ने अपने प्रमुख मेटल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, वेदांता मेटल बाजार पर जिंक मूल्य नामक भारतीय रूपयों में लाइव प्राइसिंग मॉड्यूल लॉन्च करने की घोषणा की।

मेटल प्राइसिंग तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के लिए डिजाइन किया गया, जिंक मूल्य पूरे भारत में बिजनेस, विशेष रूप से एमएसएमई और छोटे-वॉल्यूम खरीदारों को वैश्विक बेंचमार्क के अनुरूप, भारतीय रुपये में पारदर्शी, रियल-टाइम मेटल कीमतें देखने, बुक करने और लॉक करने में सक्षम बनाता है, जो एक अधिक समावेशी, डिजिटल रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर औद्योगिक इकोसिस्टम बनाने के लिए हिन्दुस्तान ज़िंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

2022 में लॉन्च हुआ वेदांता मेटल बाजार भारत का पहला ऑनलाइन मेटल मार्केटप्लेस है, जिसे मेटल खरीदने की प्रक्रिया को आसान और आधुनिक बनाने के लिए बनाया गया है। यह प्लेटफॉर्म एक सहज डिजिटल अनुभव देता है जो ग्राहकों को लाइव कीमतें देखने, ऑर्डर देने और पूरी पारदर्शिता के साथ एंड-टू-एंड ट्रांजैक्शन मैनेज करने की सुविधा देता है। देश भर में हजारों व्यवसायों द्वारा विश्वसनीय, वेदांता मेटल बाजार देश

में धातुओं की सोर्सिंग के तरीके को बदलने में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरा है।

जिंक मूल्य की शुरुआत प्लेटफॉर्म की क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण सुधार है। यह भारतीय रूपयें में लाइव लैंडेड कीमतें प्रदान करता है, जो लंदन मेटल एक्सचेंज से डायनामिक रूप से जुड़ी हुई हैं, जिससे सटीक और अप-टू-डेट मूल्य निर्धारण सुनिश्चित होता है। ग्राहक एक मजबूत डिजिटल फ्रेमवर्क के माध्यम से आसानी से लेन-देन कर सकते हैं जो मौजूदा जुड़ाव मॉडल का पूरक है, जबकि वास्तविक समय मूल्य निर्धारण दृश्यता चाहने वाले खरीदारों को अधिक सुदृढ़ता प्रदान करता है। यह एमएसएमई और उभरते उद्यमों को मेटल बाजार में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने, तेजी से निर्णय लेने, बेहतर प्रतिस्पर्धात्मकता और घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में मजबूत एकीकरण को सक्षम बनाता है।

लॉन्च के अवसर पर, हिन्दुस्तान ज़िंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि, आत्मनिर्भर भारत का भारत का विजन तभी पूरा होगा, जब हर एंटरप्राइज को, चाहे वह किसी भी साइज का हो, एक्सेस, ट्रांसपेरेंसी और अवसर समान रूप से मिलेंगे। वेदांता मेटल बाजार पर जिंक मूल्य की शुरुआत के साथ, हम भारत में मेटल खरीदने के तरीके को मौलिक रूप से बदल रहे हैं, उन एंट्री बैरियर को हटाकर जो पारंपरिक रूप से बड़े पैमाने के बिजनेस को फायदा पहुंचाते थे। यह प्लेटफॉर्म एमएसएमई और छोटे खरीदारों को बड़े संस्थानों की तरह ही रियल-टाइम प्राइस डिस्कवरी और फैसला लेने में सक्षम बनाता है, जो ग्लोबल बेंचमार्क पर आधारित होने के बावजूद भारतीय रुपये में आसानी से ट्रांजैक्शन होता है।

मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक ने भारत का पहला 'पीएम ई-ड्राइव' सर्टिफाईड इलेक्ट्रिक ट्रक डिलीवर किया

भोपाल। मुरूगप्पा ग्रुप के हिस्से मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक ने भारत की क्लीन मोबिलिटी यात्रा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कंपनी पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत सर्टिफिकेशन प्राप्त करने वाली पहली हैवी-ड्यूटी इलेक्ट्रिक ट्रक निर्माता बन गई है। इस उपलब्धि के साथ मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक ने भारत की सबसे बड़ी सीमेंट एवं रैडी-मिक्स कॉन्क्रीट कंपनी अल्ट्रा टेक सीमेंट लिमिटेड को देश का पहला पीएम ई-ड्राइव-सर्टिफाईड इलेक्ट्रिक हैवी ट्रक, राइनो 5538, ईवी 6 एक्स 4 ट्रैक्टर ट्रेलर डिलीवर किया है। यह उपलब्धि इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास को बढ़ावा देने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

- **यह एन3 कैटेगरी सर्टिफिकेशन हर वाहन पर रु9.6 लाख तक का इंसेंटिव देकर इलेक्ट्रिक हेवी-ड्यूटी ट्रकों की कमर्शियल व्यवहारिकता को और मजबूत बनाता है**

इस उपलब्धि का जश्न श्री अरुण मुरुगप्पन, चेयरमैन-मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक (टीआई क्लीन मोबिलिटी), जलज गुप्ता, एमडी-मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक (टीआई क्लीन मोबिलिटी), श्री साथिया राज, चीफ प्रोक्योरमेंट ऑफिसर, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की मौजूदगी में मनाया गया।

उम्मीद है कि इस कदम से देश के लॉजिस्टिक्स, माइनिंग, इन्फ्रास्ट्रचर एवं मैनुफैक्चरिंग सेक्टरों में इलेक्ट्रिक हैवी-ड्यूटी ट्रकों का अडॉप्शन बढ़ेगा। पारम्परिक ईंधन के बजाए इन इलेक्ट्रिक ट्रकों को अपनाने से बड़े फ्लीट ऑपरेटरों और ओद्यौगिक उपभोक्ताओं को परफोर्मेन्स, अपटाईम या इकोनोमिक्स के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना पड़ेगा।

यह सर्टिफिकेशन- अधिक स्वच्छ, अधिक प्रभावी एवं भविष्य के अनुकूल फेट मुवमेन्ट की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित होगा। अरूण मुरूगप्पन द्वारा पहला पीएम ई-ड्राइव-सर्टिफाईड राइनो 5538, ईवी - अल्ट्रा टेक को सौंपा गया। 10,900 करोड़ की पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत ई-ट्रकों के लिए रु 500 करोड़ निर्धारित किए गए हैं, राइनो 5538 ईवी की बात करें तो उपभोक्ता को प्रति वाहन पर रु 9.6 लाख तक का सीधा फायदा होगा।

चंदन हेल्थकेयर को 550 करोड़ का पीपीपी अनुबंध प्राप्त

लखनऊ, एजेंसी। 2025 चंदन हेल्थकेयर लिमिटेड (एनएसई - चंदन) – उत्तर भारत की अग्रणी डायग्नोस्टिक और हेल्थकेयर सेवा प्रदाताओं में से एक, चंदन हेल्थकेयर लिमिटेड को आसाम में एक पब्लिकङ्गप्राइवेट पार्टनरशिप परियोजना प्रदान की गई है। इस परियोजना के अंतर्गत आसामके मालेगांव स्थित नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे सेंट्रल हॉस्पिटल में अत्याधुनिक रेडियोलॉजी इमेजिंग डायग्नोस्टिक सेंटर का विकास, संचालन और रखरखाव किया जाएगा। यह अनुबंध 10 वर्षों की अवधि के लिए प्रदान किया गया है। पिछले दो महीनों में कंपनी ने पंजाब के आठ जिला अस्पतालों तथा आसामके एक अतिरिक्त रेलवे अस्पताल में पीपीपी परियोजनाएं हासिल की हैं। इन सभी परियोजनाओं का संयुक्त मूल्य 10 वर्षों में ?550 करोड़ है, जो औसतन लगभग ?55 करोड़ प्रति वर्ष के बराबर है।

आसाम की यह परियोजना सरकारी अस्पताल में डायग्नोस्टिक क्षमताओं को मजबूत करने और इन-पेशेंट व आउट-पेशेंट दोनों के लिए उन्नत इमेजिंग सेवाओं की पहुंच में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। अस्पताल परिसर में ही व्यापक डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध कराने से समय पर निदान और बेहतर उपचार परिणामों में मदद मिलने की उम्मीद है। ये डायग्नोस्टिक सुविधाएं अस्पताल के मरीजों के साथ-साथ आसपास के समुदाय को भी सेवाएं प्रदान करेंगी, जिससे किफायती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाली जांच उपलब्ध हो सकेगी।

यह विस्तार सरकारी स्वास्थ्य परियोजनाओं में चंदन हेल्थकेयर की बढ़ती उपस्थिति और बड़े स्तर की डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने की उसकी क्षमता को दर्शाता है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को सशक्त बनाने के प्रति कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

मिमी चक्रवर्ती

के साथ 'उत्पीड़न' मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती के साथ हुए उत्पीड़न मामले में पुलिस ने गुरुवार को तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी तनाय शास्त्री और उसके दो साथियों को उसके आवास पर हुई झड़प के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि पुलिस उत्तर 24 परगना जिले के बोंगांव में आयोजित एक कार्यक्रम में मिमी चक्रवर्ती के साथ हुई उत्पीड़न की शिकायत की जांच कर रही है। मिमी चक्रवर्ती फिलहाल अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'भानुप्रिया भूतेर होटल' के प्रचार में व्यस्त हैं। इस घटनाक्रम पर उनकी ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह घटना रविवार रात को हुई। बोंगांव के नयागोपालगंज इलाके में एक कार्यक्रम में गईं अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि मंच पर उनके साथ उत्पीड़न किया गया।उन्होंने कहा, 'मैं परफॉर्म कर रही थी। अचानक कार्यक्रम के आयोजक तनाय शास्त्री मंच पर आए और मुझे रोक दिया। उन्होंने मुझे जाने के लिए कहा। बिना कुछ कहे, मैं पूरी परफॉर्मेंस समाप्त किए बिना ही चली गई। उनका व्यवहार बहुत ही अपमानजनक था। 'इसके बाद उन्होंने ईमेल के जरिए स्थानीय पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पूर्व सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि अन्य कलाकारों के विपरीत शास्त्री के घर अतिथि बनने से इनकार करने के कारण उनके साथ यह अन्यायपूर्ण व्यवहार किया गया। इस घटना को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। दूसरी ओर, कार्यक्रम के आयोजक ने दावा किया कि ये आरोप पूरी तरह निराधार और झूठे हैं। शास्त्री के अनुसार, मिमी चक्रवर्ती के आने का निर्धारित समय रात 10:30 बजे था, लेकिन वह लगभग डेढ़ घंटे देरी से यानी रात 11:45 बजे पहुंचीं। उन्होंने मिमी के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि इसके बावजूद उन्हें पूरा सम्मान दिया गया और मंच तक ले जाया गया। हालांकि, जब पुलिस ने मामले की जांच करने की कोशिश की और शास्त्री के घर गई, तो उन्होंने पुलिस को अपना काम करने से रोक दिया। इसके बाद उन्हें और उनके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

शिव मेरे लिए बेहद खास, इसीलिए 'छाप तिलक' गाना दिल के बहुत करीब

राशा थडानी

एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अब एक्ट्रेस से सिंगर बनने की राह पर हैं। राशा ने हाल ही में सिंगिंग डेब्यू किया है। उनके डेब्यू सॉन्ग का टाइटल 'छाप तिलक' है, जिसे राशा ने अपने दिल के बेहद करीब बताया। राशा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसमें वह भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा जताती और खास गाने 'छाप तिलक' से जुड़ी अपनी भावनाओं को व्यक्त करती नजर आईं। राशा ने पोस्ट में लिखा, 'शिव हमेशा मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं। छाप तिलक एक ऐसा गाना है जो मेरे दिल के बहुत करीब है।' इसके साथ ही राशा ने गाने की कुछ लाइन का शिव से कनेक्शन करते हुए लिखा, 'मैं तो छाप तिलक छोड़ चली रे–ब्रह्मांडीय नर्तक नटराज को अपनी कला और अपना तिलक अर्पित करना। मैं तो आज फलक ओढ़ चली रे–उसका ब्रह्मांड मुझे हमेशा घेरे रहता है। मेरे मन के ताल पर बाजे डमरू–शिव की डमरू की थाप और लय हमेशा मेरे दिल में रहती है। आभारी हूं शिव ओम नमः शिवाय। 'राशा महादेव की परम भक्त हैं। वह अपनी मां रवीना टंडन के साथ अक्सर शिवालय जाती रहती हैं। वह देश भर के हिस्सों में स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग में से कई के दर्शन भी कर चुकी हैं। राशा थडानी ने साल 2025 में एक्ट्रेस के तौर पर 'आजाद' फिल्म के साथ डेब्यू किया था। उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी, लेकिन अब उन्होंने सिंगिंग में कदम रखा है। राशा ने इंस्टाग्राम पर स्टूडियो का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह गाने को रिकॉर्ड करते हुए नजर आईं। इस सिंगिंग डेब्यू की तारीफ 'बाहुबली' फेम सुपरस्टार प्रभास ने भी की है।

विपुल अमृतलाल शाह की द केरला स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड का टीज़र हुआ रिलीज़, पहले से भी ज्यादा गहरी और झकझोर देने वाली है कहानी

द केरला स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड विपुल अमृतलाल शाह के प्रोडक्शन हाउस से आने वाली फिल्म है, जिनकी फिल्मोग्राफी में आंखें, नमस्ते लंदन, सिंह इज़ किंग, फोर्स, कमांडोः ए वन मैन आर्मी, हॉलिडेः ए सोल्जर इज़ नेवर ऑफ ड्यूटी जैसी कई प्रभावशाली फिल्में शामिल हैं। वह उन फिल्ममेकर्स में से हैं, जिनकी फिल्मों ने भारतीय सिनेमा पर गहरा असर डाला है। द केरला स्टोरी के जरिए उन्होंने एक बार फिर साबित किया कि वह एक बेखौफ फिल्ममेकर हैं, और यह अंदाज उनके पूरे काम में लगातार देखने को मिलता रहा है। डर, गुस्से और सच्चाई से भरे हर फ्रेम के साथ द केरला स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड का टीज़र पहले चैप्टर से कहीं ज्यादा तीखा और गंभीर संकेत देता है। नेशनल अवॉर्ड विजेता कमाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों की दर्दनाक कहानी सामने लाती है, जिनका किरदार ऊल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने निभाया है। फिल्म में दिखाया गया है कि तीन मुस्लिम लड़कों से प्यार करने के बाद उनकी जिंदगी कैसे एक खौफनाक मोड़ लेती है, जहां धीरे-धीरे धार्मिक धर्मांतरण के एक सोचे-समझे एजेंडे का खुलासा होता है। जो भरोसे, अपनापन और भावनात्मक जुड़ाव से शुरू होता है, वह जल्द ही छल, नियंत्रण और फंसाए जाने की डरावनी कहानी बन जाता है। टीज़र साफ दिखाता है कि कैसे प्यार को हथियार बनाया जाता है, पहचान छीनी जाती है और आस्था को जंग का मैदान बना दिया जाता है। माहौल पूरी तरह से तनावपूर्ण और बेचैन करने वाला है, जहां हर विजुअल डर और दबे हुए गुस्से से भरा हुआ नजर आता है।अपने सोशल मीडिया हैंडल पर टीज़र शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा,(LINK & CAPTION) टीज़र इस बात पर फोकस करता है कि लड़कियां अब सिर्फ अंजाम नहीं झेलेंगी, बल्कि उसका जवाब भी देंगी। द केरला स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड अब केवल दर्द और पीड़ा की कहानी नहीं रह जाती। इस बार ये लड़कियां हालात की खामोश शिकार बनकर नहीं रहतीं। धोखे के नतीजों को चुपचाप सहने के बजाय ये महिलाएं खड़ी होती हैं, पूरी ताकत से पलटकर जवाब देती हैं। टीज़र के साथ गूंजता यह नारा फिल्म की आत्मा और जज़्बे को साफ बयां करता है, 'अब सहेंगे नहीं... लड़ेंगे! 'द केरला स्टोरी के जबरदस्त असर के बाद, जिसने अपनी बेबाक कहानी से देशभर के दर्शकों को झकझोर दिया था, इसका सीक्वल और भी आगे जाने का वादा करता है, कम्फर्ट से परे, खामोशी से परे और इनकार से परे। कमाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी द केरला स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है, जबकि आशीष ए शाह ने सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले इसे को-प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।

मेधा राणा ने याद किए 'बॉर्डर 2' के सेट के खास पल, वरुण धवन को बताया सपोर्टिव और फ्रेंडली

बॉर्डर 2 दर्शकों का दिल जीत रही है और बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। हाल ही में फिल्म में वरुण धवन के साथ नजर आई मेधा राणा ने उनके साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया. उन्होंने बताया कि जब उन्हें अपने कास्ट होने की खबर मिली, तो वह पल उनकी ज़िंदगी के सबसे यादगार दिनों में से एक था। मेधा राणा ने वरुण धवन के साथ काम करने का अपना एक्सपीरियंस शेयर किया। उन्होंने कहा कि वरुण के साथ काम करना बहुत अच्छा और दिलचस्प रहा। मेधा के मुताबिक, वरुण बहुत अच्छे स्वभाव, फ्रेंडली और सपोर्टिव को-एक्टर हैं। उन्होंने बताया कि जब वह पहली बार सेट पर गई थीं तो वह काफी नर्वस और डरी हुई थीं, लेकिन वरुण ने उन्हें आराम महसूस कराया. मेधा ने कहा कि वरुण की खास बात यह है कि वह कभी यह महसूस नहीं होने देते कि वह इतने बड़े स्टार हैं, बल्कि वह अपने आसपास मौजूद हर इंसान को सहज और सामान्य महसूस कराते हैं. यही एक्सपीरियंस उनके साथ भी रहा।

बिजनेस माइंडेड हैं अक्षय कुमार', फिल्म मेकर का दावा, बोले- 85 करोड़ की फिल्म फ्लॉप हुई, लेकिन एक्टर ने नहीं लौटाई फीस

अक्षय कुमार बॉलीवुड के सुपरस्टार हैं। उन्हें हिंदी सिनेमा का मोस्ट बैंकेबल एक्टर भी माना जाता है। अपने अब तक के करियर में तमाम सुपर डुपर हिट फिल्मों से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले अक्षय कुमार की इमेज एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। दरअसल फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर शैलेंद्र सिंह ने एक्टर को 'पैसे का लालची' और 'पहले बिजनेसमैन, बाद में एक्टर' बताया है। 'अक्षय अच्छे इंसान हैं, लेकिन बहुत बिजनेस-ओरिएंटेड हैं' सिद्धार्थ कन्नन ने एक इंटरव्यू में फिल्म मेकर शैलेंद्र ने 2009 की फिल्म 8×10 तस्वीर में अक्षय के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की, और साथ ही बताया कि कैसे इस प्रोजेक्ट की नाकामी ने कथित तौर पर उन्हें पूरी तरह से फिल्ममेकिंग से दूर कर दिया शैलेंद्र ने क्लियर किया कि अक्षय कुमार के खिलाफ उनके कमेंट किसी पर्सनल कड़वाहट की वजह से नहीं थे। असल में, उन्होंने अक्षय को एक 'प्यारा इंसान' बताया, जिनके साथ उनके दोस्ताना रिश्ते थे, और वे अक्सर साथ में स्पोर्ट्स खेलते थे। शैलेंद्र ने याद करते हुए कहा, 'जब मुझे उनके साथ फिल्म बनाने का मौका मिला, तो मैं खुश था।' उन्होंने बताया कि नागेश कुकुनूर द्वारा डायरेक्टेड 8×10 तस्वीर उस समय बनी थी जब अक्षय और नागेश दोनों ही सफलता की ऊंचाइयों पर थे। हालांकि, चीजें जल्द ही हाथ से निकल गईं।

डेंट बी शाय के साथ प्राइम वीडियो और इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस ने किया लैंडमार्क कोलैबोरेशन का ऐलान

भारत के सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने आज अपनी आने वाली ओरिजिनल फिल्म 'डेंट बी शाय' का ऐलान किया है, जिसे स्रीति मुखर्जी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट ने इसे अपने बैनर इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस किया है, जबकि ग्रिश्मा शाह और विकेश भूटानी को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी 20 साल की श्यामिली उर्फ 'शाय' दास के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे लगता है कि उसकी ज़िंदगी पूरी तरह प्लान्ड है, लेकिन अचानक एक मोड़ उसकी ज़िंदगी को उलट-पुलट कर देता है और हालात उसके कंट्रोल से बाहर होने लगते हैं। प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल माधोक ने कहा, 'हम आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट के साथ इस बेहद मज़ेदार लेकिन दिल को छू लेने वाली रोमांटिक कॉमेडी पर काम करके बहुत उत्साहित हैं, जिसके केंद्र में 'शाय दास' जैसा खास किरदार है। इमोशन से भरपूर, गहराई से जुड़ने वाली और एंटरटेनिंग कहानियों को चुनने की आलिया की समझ इस यंग एडल्ट स्टोरी में साफ दिखती है, जो दोस्ती, प्यार और बड़े होने की जर्नी को दिखाती है। 'उन्होंने आगे कहा, 'मजबूत फीमेल-फॉरवर्ड कहानी, फ्रेश, रिलेटेबल और मज़ेदार राइटिंग, सच्चे किरदारों और राम संपत के इंफेक्टियस म्यूज़िक के साथ, 'डोंट बी शाय' दुनियाभर के दर्शकों के लिए एक खूबसूरत और यादगार अनुभव बनने का वादा करती है। ' इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस की को-फाउंडर आलिया भट्ट ने कहा, 'इटर्नल सनशाइन में हम हमेशा ऐसी कहानियों का साथ देना चाहते हैं जो सच्ची लगें और जिनकी अपनी अलग आवाज़ हो। यह फिल्म हमें तुरंत पसंद आ गई, क्योंकि इसमें सादगी है और एक खूबसूरत कमिंग ऑफ एज नज़रिया है। स्रीति की एनर्जी और पैशन कहानी की भावना से अपने आप जुड़ गए। यह प्रोजेक्ट मेरे लिए और इटर्नल सनशाइन के लिए बहुत खास है। प्राइम वीडियो के साथ हमें ऐसे पार्टनर्स मिले, जो बेझिझक क्रिएटिव फैसले लेते हैं और अलग तरह की कहानियों को दिल से सपोर्ट करते हैं, इसलिए यह इस कहानी के लिए बिल्कुल सही जगह लगी। '

'तू या मैं' में मेरा किरदार साइड रोल नहीं, कहानी की मजबूत कड़ी है

पारुल गुलाटी

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। अभिनय के साथ-साथ एक सफल उद्यमी के तौर पर भी अपनी पहचान रखने वाली पारुल अब थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' में नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस फिल्म और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की है और इसे अपने करियर का एक बेहद खास मौका बताया। फिल्म 'तू या मैं' में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिनकी फिल्मों की पहचान भावनाओं, रिश्तों और गहराई से जुड़ी कहानियों के लिए रही है। इस फिल्म में पारुल लायरा नाम का किरदार निभा रही हैं, जो शनाया कपूर के किरदार की करीबी दोस्त और मैनेजर है। फिल्म का हिस्सा बनने पर पारुल ने कहा, ''आनंद एल राय का सिनेमा मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है। फिल्म की कहानी नाटकीय होने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से शानदार है और दर्शकों को भीतर तक छू जाएगी।'' पारुल ने अपने किरदार को लेकर बताया, ''मेरा किरदार लायरा सिर्फ एक दोस्त नहीं है बल्कि एक ऐसा इंसान है जो हर मुश्किल में साथ खड़ी रहती है, सही सवाल पूछती है, जरूरत पड़ने पर टोकती भी है और बिना शर्त समर्थन करती है। मैं इस किरदार को निभाकर बेहद खुश हूं और अभी भी इस एहसास में डूबी हुई हूं कि मुझे इतना अहम रोल निभाने का मौका मिला है।'' पारुल ने कहा, 'लायरा कोई साधारण या साइड कैरेक्टर नहीं है, बल्कि कहानी की भावनात्मक रीढ़ है। यह किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है।

(साभार एजेंसी)

साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 2 विकेट से हराया

टी-20 सीरीज पर कब्जा, क्विंटन डिकॉक ने 43 बॉल में जड़ा शतक

सुपरस्पोर्ट पार्क (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज अपने नाम कर ली है। सुपरस्पोर्ट पार्क में खेले गए इस मैच में क्विंटन डिकॉक के तूफानी शतक की बदौलत साउथ अफ्रीका ने 222 रन का टारगेट आसानी से हासिल कर लिया।

डिकॉक ने करीब तीन साल बाद घरेलू मैदान पर अपना पहला टी-20 इंटरनेशनल खेलते हुए सिर्फ 43 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। साउथ अफ्रीका ने यह मैच 15 गेंद शेष रहते जीत लिया।

डिकॉक ने 115 रन की पारी में 10 छक्के जड़े -क्विंटन डिकॉक ने मैच की शुरुआत से ही कैरिबियाई गेंदबाजों पर दबाव बना दिया था। उन्होंने अपनी 115 रनों की पारी में 49 गेंदें खेलीं, जिसमें 10 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। डिकॉक ने महज 21 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की और अगले 22 गेंदों में उसे शतक में बदल दिया। पूरी पारी के दौरान उन्होंने सिर्फ 8 डॉट बॉल खेलीं।

मिडिल ओवर्स में केशव महाराज ने पलटा मैच - एक समय लग रहा था कि वेस्टइंडीज 250 के पार जाएगी, लेकिन केशव महाराज ने 15वें ओवर में रोवमैन पॉवेल और फिर शिमरॉन हेटमायर को आउट कर वेस्टइंडीज की रन गति रोक दी। 12वें से 16वें ओवर के बीच वेस्टइंडीज ने सिर्फ 27 रन बनाए और 3 विकेट खो दिए।

खराब फील्डिंग वेस्टइंडीज को भारी पड़ी - वेस्टइंडीज के गेंदबाज और फील्डर्स दबाव नहीं झेल पाए। जैडन सील्स ने शॉर्ट थर्ड मैन पर रायन रिकेल्टन का आसान कैच छोड़ दिया, जब वे सिर्फ 17 रन पर थे।

- **रिकल्टन के साथ 162 रनों की पार्टनरशिप** - डिकॉक को दूसरे विकेट के लिए रायन रिकेल्टन का भरपूर साथ मिला। दोनों ने मिलकर महज 72 गेंदों में 162 रनों की साझेदारी की। नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने आए रिकेल्टन ने अपने करियर की बेस्ट पारी खेलते हुए 25 गेंदों में अर्धशतक जमाया। वे 77 रन बनाकर नाबाद रहे। इस मैदान पर यह पांचवीं बार है जब किसी टीम ने 200 से ज्यादा का टारगेट सफलतापूर्वक चेज किया है। डिकॉक और रायन रिकेल्टन के बीच दूसरे विकेट के लिए 72 गेंदों में 162 रनों की साझेदारी हुई।
- **किंग-हेटमायर के बीच 115 रन की साझेदारी** - पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत शानदार रही थी। ब्रैंडन किंग (11 गेंदों में 27 रन) और शिमरॉन हेटमायर ने मिलकर पहले 10 ओवर में टीम का स्कोर 115 रन तक पहुंचा दिया था। आखिरी ओवरों में शेरफेन रदरफोर्ड ने विस्फोटक बल्लेबाजी की। उन्होंने महज 24 गेंदों में 57 रन बनाए, जिसकी मदद से वेस्टइंडीज ने 221 रनों का स्कोर खड़ा किया। कैरेबियाई टीम ने आखिरी 5 ओवरों में 76 रन जोड़े।

आस्ट्रेलियाई ओपन में दोहराया गया इतिहास

- किसी कपल ने 37 साल बाद लगातार दूसरे साल जीता खिताब
- डबल्स खिताब जीतने वाली गादेकी और पीयर्स 62 साल में पहली ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी बन गए

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में ओलिविया गादेकी और जॉन पीयर्स की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने इतिहास रच दिया है। इस ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में फ्रांस की क्रिस्टिना मलादेनोविक और मैनुएल गिनार्ड की जोड़ी को हराकर खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही वे ऑस्ट्रेलियन ओपन के इतिहास में लगातार दूसरी बार ये खिताब जीतने वाली 37 साल में पहली जोड़ी बन गए हैं। इतना ही नहीं किसी ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने लगातार दूसरे साल खिताब जीतने का कारनामा 62 साल बाद किया है। इस जोड़ी ने फाइनल में फ्रांसीसी जोड़ी को पहला सेट हारने के बाद कड़े संघर्ष के बीच 4-6, 6-3 और 10-8 से हराकर खिताब अपने नाम किया है।

1989 में हुआ था आखिरी बार ऐसा- ऑस्ट्रेलियन ओपन के इतिहास में आखिरी बार 1989 में ऐसा हुआ था, जब कोई जोड़ी अपने मिक्स्ड डबल्स खिताब का बचाव करने में सफल रही थी। तब यह रिकॉर्ड याना नोवोत्ना और जिम पुघ की जोड़ी ने बनाया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार दो साल ऑस्ट्रेलियन ओपन

मिक्स्ड डबल्स खिताब जीतने वाली जोड़ी मार्ग्रेट कोर्ट और केन फ्लेचर की थी, जिन्होंने 62 साल पहले ऐसा किया था।

पहला सेट जीतकर फ्रांसीसी जोड़ी ने बना ली थी पकड़- फ्रांसीसी जोड़ी ने पहला सेट 6-4 से जीतकर बढ़त बना ली थी। उन्होंने मैच पर अपनी पकड़ बनाने का संकेत दिया था, लेकिन अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेल रही ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने दूसरे सेट में शानदार वापसी कर ली।

टाईब्रेकर में भी पिछड़ रही थी ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी

रॉड लेवर एरिना में खेले गए फाइनल मुकाबले में टाईब्रेकर के दौरान भी स्टैंड्स में बैठे ऑस्ट्रेलियाई दर्शक तब मायूस दिख रहे थे, जब गादेकी और पीयर्स की स्थानीय जोड़ी 5-7 से पिछड़ गई थी। मैच पूरी तरह फ्रांसीसी जोड़ी के कब्जे में दिख रहा था। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने जबरदस्त संघर्ष करते हुए पलटवार किया और टाईब्रेकर को 10-8 से अपने नाम कर लिया। उन्होंने अपने दूसरे चैंपियनशिप पॉइंट पर जैसे ही जीत हासिल की, पूरे स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी के साथ इस जोड़ी का नाम इतिहास के पन्ने पर लिखा जा चुका था।

कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट 6 घंटे बंद रहा

सर्च करने पर लिखा आ रहा था- प्रोफाइल उपलब्ध नहीं, फैंस अनुष्का से वजह पूछ रहे थे

बंगलूर (एजेंसी)। विराट कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट गुरुवार रात अचानक बंद हो गया था, जो करीब 6 घंटे बाद फिर से दिखाई देने लगा है। इस दौरान सर्च करने पर उनकी प्रोफाइल नहीं दिख रही थी और डायरेक्ट लिंक से भी अकाउंट नहीं खुल रहा था।

गुरुवार रात करीब 2 बजे विराट कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट बंद होने की खबर सामने आई। हालांकि यह साफ नहीं हो पाया है कि अकाउंट ठीक किस समय बंद हुआ था।

कोहली के अकाउंट को खोलने पर स्क्रीन पर लिखा आ रहा था- यह पेज उपलब्ध नहीं है। उनके इंस्टाग्राम पर 274 मिलियन (27 करोड़ 40 लाख) से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

विराट कोहली का अकाउंट गायब होने के बाद फैंस उनकी पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के पोस्ट पर कमेंट कर के वजह पूछ रहे थे।

इस मामले में अब तक विराट, उनकी मैनेजमेंट टीम या इंस्टाग्राम की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में यह साफ नहीं हो पाया है कि अकाउंट को जानबूझकर डीएक्टिवेट किया था या कोई तकनीकी गड़बड़ी थी।

हाल के दिनों में कोहली की सोशल मीडिया गतिविधियां भी सीमित रही हैं। उन्होंने पहले कई प्रमोशनल पोस्ट हटाकर क्रिकेट और परिवार को प्राथमिकता देने के संकेत दिए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कोहली एक प्रमोशनल इंस्टाग्राम पोस्ट के करीब 12 से 14 करोड़ रुपए तक चार्ज करते हैं।

पीटी उषा के पति श्रीनिवासन का निधन

- एथलीट से सांसद बनने तक के सफर में साथ रहे, उषा के पिलर ऑफ सपोर्ट कहे जाते थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलिंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे 67 साल के थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, श्रीनिवासन शुक्रवार सुबह अपने घर पर अचानक गिर पड़े थे। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीएम मोदी ने पीटी उषा से फोन पर की बात - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद खबर के बाद पीटी उषा से फोन पर बात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। पीएमओ के अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने श्रीनिवासन के निधन पर गहरा दुख जताया और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। श्रीनिवासन केंद्र सरकार के कर्मचारी थे, लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश समय पीटी उषा के खेल और राजनीतिक सफर को संवारने में लगाया।

पीटी उषा के करियर के पिलर ऑफ सपोर्ट थे - श्रीनिवासन को खेल जगत में पीटी उषा के 'पिलर ऑफ सपोर्ट' के रूप में जाना जाता था। उषा के एक एथलीट के रूप में शानदार करियर से लेकर आईओए अध्यक्ष बनने और राज्यसभा सांसद के रूप में उनके राजनीतिक सफर तक, श्रीनिवासन हर कदम पर उनके साथ रहे। वे अक्सर महत्वपूर्ण बैठकों और कार्यक्रमों में उषा के साथ देखे जाते थे। खेल जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि उषा की कई व्यावसायिक और पेशेवर उपलब्धियों के पीछे श्रीनिवासन की रणनीति और मेहनत का बड़ा हाथ था।

न्यूजीलैंड के साथ आखिरी टी20 आज

मैच के लिए तिरुवनंतपुरम में पहुंची भारतीय टीम

- संजू की फॉर्म पर सुरेश रैना का साफ मैसेज, वर्ल्ड कप में बताई जीत की कुंजी

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारियों के बीच भारतीय क्रिकेट को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। इसी कड़ी में भारत के पूर्व स्टार बल्लेबाज और वर्ल्ड कप विजेता सुरेश रैना ने टीम इंडिया के संभावित कॉम्बिनेशन पर खुलकर अपनी राय रखी है। खास तौर पर उन्होंने संजू सैमसन की मौजूदा फॉर्म को लेकर बड़ा बयान दिया है। रैना का मानना है कि खराब आंकड़ों के बावजूद सैमसन जैसे खिलाड़ी को लगातार मौके देना भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सूर्यकुमार यादव से की तुलना- वर्ल्ड लेजेंड्स प्रो टी20 लीग के दौरान मीडिया से बातचीत में रैना ने सैमसन की स्थिति की तुलना सीधे सूर्यकुमार यादव से की। उनके अनुसार, लगभग एक साल तक सूर्या रन नहीं बना पाए थे, लेकिन टीम ने उन्हें लगातार मौके दिए। वही भरोसा अगर संजू को मिला, तो वह भी मैच विनर बनकर उभर सकते हैं। रैना का रहा है। अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, ट्रेविस हेड और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे खिलाड़ी इस साल वर्ल्ड कप में ताबड़तोड़ पारियां खेल सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि इस टूर्नामेंट कके इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले 5 बल्लेबाज कौन से हैं? खास बात यह है कि इस लिस्ट में दो बार क्रिस गेल का ही नाम है।

- **टॉप-4 को बताया भारत का 'इंजन रूम'** - सुरेश रैना के एनालिसिस का सबसे अहम हिस्सा भारत का टॉप-4 बल्लेबाज़ी क्रम रहा। उन्होंने कहा कि यही चार बल्लेबाज़ तय करेंगे कि टीम 170 पर रुकेगी या 210 के पार जाएगी। रैना के मुताबिक, टॉप-4 का काम सिर्फ टिककर खेलना नहीं, बल्कि शुरुआती बढ़त को बड़े स्कोर में बदलना है।
- **अभिषेक शर्मा-ईशान किशन की जोड़ी से उम्मीद** - रैना ने अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की ओपनिंग जोड़ी की खुलकर तारीफ की। उन्होंने उनकी निडर बल्लेबाज़ी को भारत के लिए बड़ा हथियार बताया। उनका कहना है कि यह जोड़ी पहले 10 ओवर में ही 140-150 रन बनाने या चेज़ करने की क्षमता रखती है। लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन गेंदबाज़ों पर अतिरिक्त दबाव बनाता है।

संजू सैमसन पर रैना का साफ संदेश

सुरेश रैना ने साफ कहा कि संजू सैमसन की हालिया फॉर्म पर जरूरत से ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। जनवरी 2025 के बाद से उनका औसत भले ही 20 से नीचे रहा हो, लेकिन रैना के मुताबिक क्लास कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने टीम मैनेजमेंट को सलाह दी कि सैमसन के साथ वही धैर्य दिखाया जाए, जो एक समय सूर्यकुमार यादव के मामले में दिखाया गया था। रैना ने कहा कि जब सूर्या रन नहीं बना पा रहे थे, तब भी कप्तान और कोच ने उन पर भरोसा बनाए रखा, और नतीजा सबके सामने है।

- **सूर्यकुमार यादव बने संजू सैमसन के 'बॉडीगार्ड'** - एयरपोर्ट पर रास्ता कराया खाली; वायरल हो रहा भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां और आखिरी टी20 मैच तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेलना है। ये मैच संजू सैमसन के घरेलू राज्य में है। संजू की लोकप्रियता पूरे भारत में कम नहीं है और अपने राज्य में तो वह और ज्यादा ही फेमस हैं। इसी को लेकर सूर्यकुमार यादव ने एयरपोर्ट पर उनके मजे ले लिए। संजू जब टीम से बाहर होते हैं तो उनके फैंस सोशल मीडिया पर बवाल काट देते हैं। उनके बाहर जाने के बाद फैंस सेलेक्शन कमेटी से लेकर कप्तान और कोच को भी आड़े हाथों ले लेते हैं। उनकी दीवानगी तिरुवनंतपुरम में भी देखने को मिली।
- **सूर्यकुमार यादव ने लिए मजे** - पांचवें मैच के लिए भारतीय टीम तिरुवनंतपुरम पहुंच चुकी है। टीम जब फ्लाइट से उतरी और एयरपोर्ट से बाहर आ रही थी तो सूर्यकुमार और संजू साथ में ही थे। सूर्यकुमार ने यहीं से संजू के मजे लेने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा, 'साइड में हटो, साइड में हटो। प्लीज रास्ता बनाओ। चेट्टा को डिस्टर्ब मत करो।' फिर जब संजू एस्केलेटर से उतर रहे थे तब सूर्यकुमार ने पूछा, 'भगवान के देश में लैंड किया है।'

पाकिस्तान अब टी-20 वर्ल्डकप का बायकॉट नहीं करेगा

टीम 2 फरवरी को कोलंबो पहुंचेगी, बांग्लादेश के सपोर्ट में टूर्नामेंट से हटने की धमकी दी थी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब टी-20 वर्ल्ड कप का बायकॉट नहीं करेगी। मीडिया सूत्रों ने पीसीबी के सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि पाकिस्तानी टीम का शेड्यूल तय हो चुका है। टीम 2 फरवरी को कोलंबो रवाना होगी। इसके साथ ही पाकिस्तान के वर्ल्ड कप से हटने या भारत से ना खेलने के कयासों पर लगभग विराम लग गया है। उम्मीद है कि पीसीबी शुक्रवार को अपने खेलने की पुष्टि कर देगा।

पाकिस्तान वर्ल्ड कप से क्यों नहीं हट सकता है?

- पीसीबी ने भारत में ना खेलने को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की सुरक्षा चिंताओं पर पूरा समर्थन जताया है। लेकिन वह ऐसा एक दायरे में रहकर ही करना चाहता है ताकि आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) उस पर कोई कार्रवाई भी ना करे।
- बीसीसीआई, पीसीबी और आईसीसी के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता है। इसके तहत 2027 तक आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत-पाकिस्तान के सभी मुकाबले तटस्थ स्थल पर खेले जाएंगे। पीसीबी इस समझौते को नहीं तोड़ सकता है।
- पाकिस्तान का पूरा वर्ल्ड कप शेड्यूल श्रीलंका में है। यहां तक कि अगर टीम फाइनल में पहुंचती है तो फाइनल भी वहीं खेला जाएगा। ऐसे में वह टूर्नामेंट या भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार किस आधार पर करेगा?

पीसीबी चीफ नकवी ने पीएमशहबाज से मुलाकात की - पीसीबी के चीफ मोहसिन नकवी ने सोमवार, 26 जनवरी को प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में पाकिस्तान के वर्ल्ड कप पार्टिसिपेशन और भारत के खिलाफ मुकाबले को बाते हुई। नकवी ने कहा कि अगले शुक्रवार या सोमवार तक आखिरी फैसला लिया जाएगा। मीडिया सूत्र ने बताया कि जब पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की, तो उन्होंने साफ किया कि सभी फैसले पाकिस्तान क्रिकेट के स्थिर और मजबूत भविष्य को ध्यान में रखकर लिए जाएंगे।

5 बल्लेबाज जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में ठोके हैं सबसे तेज शतक

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप को शुरू होने में कुछ ही समय बाकी है। इस साल टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में खेला जा रहा है। अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, ट्रेविस हेड और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे खिलाड़ी इस साल वर्ल्ड कप में ताबड़तोड़ पारियां खेल सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि इस टूर्नामेंट कके इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले 5 बल्लेबाज कौन से हैं? खास बात यह है कि इस लिस्ट में दो बार क्रिस गेल का ही नाम है।

क्रिस गेल के नाम ही है दो तेज शतक

- **क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) - 47 गेंद** - टी20 वर्ल्ड कप में सबसे तेज शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड 'यूनिवर्स बॉस' क्रिस गेल के नाम है। उन्होंने 2016 के वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मात्र 47 गेंदों पर शतक जड़ा था। इस पारी में उन्होंने 11 छक्के लगाकर इंग्लिश गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी थीं।
- **क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) - 50 गेंद** - दिलचस्प बात यह है कि दूसरा सबसे तेज शतक भी क्रिस गेल के ही नाम है। उन्होंने 2007 के पहले टी20 वर्ल्ड कप के ओपनिंग मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 50 गेंदों में शतक पूरा किया था। यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का पहला शतक भी था।

- **ब्रेंडन मैकुलम (न्यूजीलैंड) - 51 गेंद** - न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम अपनी आक्रामक शैली के लिए जाने जाते थे। उन्होंने 2012 के वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ पल्लेकेले में मात्र 51 गेंदों पर शानदार शतक जड़ा था। उनकी 123 रनों की वह पारी लंबे समय तक टूर्नामेंट का हाईएस्ट स्कोर रही थी।
- **रिली रोसौव (दक्षिण अफ्रीका) - 52 गेंद** - दक्षिण अफ्रीका के रिली रोसौव ने 2022 के टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ सिडनी में कहर बरपाया था। उन्होंने केवल 52 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। रोसौव टी20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले पहले साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज भी बने।
- **अहमद शहजाद (पाकिस्तान) - 58 गेंद** - पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज अहमद शहजाद ने 2014 के टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया था। उन्होंने 58 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था। वह पाकिस्तान की ओर से टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज भी बने थे।

तिरुपति लड्डू मिलावट विवाद:

-TTD का दावा—किसी को क्लीन चिट नहीं, SIT चार्जशीट में मिलावटी घी के पुख्ता सबूत

तिरुपति । तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में चढ़ाए जाने वाले विश्व प्रसिद्ध श्रीवारी लड् की शुद्धता को लेकर उठा विवाद अभी पूरी तरह थमा नहीं है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (TTD) बोर्ड ने साफ शब्दों में कहा है कि इस मामले में किसी भी व्यक्ति या संस्था को क्लीन चिट नहीं दी गई है। बोर्ड के चेयरमैन बी.आर. नायडू ने यह बयान उन दावों के बीच दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि जांच एजेंसियों ने लड् मिलावट मामले में सबको बरी कर दिया है। शुक्रवार को तिरुपति स्थित पद्मावती रेस्ट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए बी.आर. नायडू ने कहा कि SIT (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) द्वारा दायर चार्जशीट में यह स्पष्ट रूप से सामने आया है कि श्रीवारी लड् बनाने में इस्तेमाल किए गए घी में मिलावट थी। उन्होंने कहा कि कुछ समूह और राजनीतिक तत्व जानबूझकर यह झूठा प्रचार कर रहे हैं कि इस मामले में क्लीन चिट दे दी गई है, जबकि सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। नायडू ने चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे भ्रामक दावों से करोड़ों भक्तों की आस्था को ठेस पहुंच सकती है। इस पूरे विवाद की जड़ CBI की फाइनल चार्जशीट से जुड़ी है। CBI ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि लड्ओं में पशु चर्बी (एनिमल फैट) की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह जरूर साबित हुआ कि मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया। नेल्लोर कोर्ट में पेश चार्जशीट के अनुसार, प्रसाद में प्रयुक्त घी में वनस्पति तेल, बीटा कैरोटिन और एस्टर जैसे केमिकल तत्व पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि यह मिलावटी घी उत्तराखंड के भगवानपुर स्थित 'भोले बाबा डेयरी' से सप्लाई किया गया था। TTD बोर्ड का कहना है कि भक्तों के लिए प्रसाद की शुद्धता सर्वोपरि है और मिलावट चाहे किसी भी स्तर पर हो, उसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। बोर्ड ने दो टूक कहा कि CBI की रिपोर्ट को आधार बनाकर यह कहना कि सब कुछ साफ है, तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करना है। SIT की चार्जशीट अपने आप में गंभीर सवाल खड़े करती है और उसी के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया चलेगी। वहीं, इस मामले को लेकर YSR कांग्रेस पार्टी (YSRCP) के वरिष्ठ नेता और पूर्व TTD चेयरमैन भूमना करुणाकर रेड्डी ने अलग रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि CBI रिपोर्ट में यह स्पष्ट है कि तिरुपति लड् में कोई पशु चर्बी नहीं पाई गई, जिससे यह साबित होता है कि गठबंधन नेताओं द्वारा फैलाया गया प्रचार गलत था। उनके अनुसार, इस रिपोर्ट ने राजनीतिक लाभ के लिए किए गए "नाटक" और "झूठे आरोपों" का पर्दाफाश कर दिया है।

IT रेड के बीच कॉन्फिडेंट ग्रुप चेयरमैन सीजे रॉय की खुदकुशी

-9 हजार करोड़ की नेटवर्थ वाला कारोबारी मौत के रहस्य में

बेंगलुरु। देश की रियल एस्टेट इंडस्ट्री से शुक्रवार को एक सनसनीखेज खबर सामने आई, जब कॉन्फिडेंट ग्रुप के चेयरमैन सीजे रॉय ने कथित तौर पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सेंट्रल बेंगलुरु के रिचमंड सर्कल के पास स्थित कंपनी के ऑफिस में दोपहर करीब 3.15 बजे हुई। पुलिस के मुताबिक, रॉय पिछले तीन दिनों से चल रही इनकम टैक्स (IT) विभाग की रेड के भारी मानसिक दबाव में थे। सीजे रॉय की खुदकुशी की खबर फैलते ही कॉर्पोरेट जगत और राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया। रॉय की गिनती देश के बड़े रियल एस्टेट कारोबारियों में होती थी। उनकी अनुमानित नेटवर्थ करीब 9 हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। वे प्राइवेट जेट, 200 से ज्यादा लग्ज़री कारों और 12 रोल्स रॉयस जैसी महंगी गाड़ियों के मालिक थे। इतनी शानो-शौकत भरी ज़िंदगी के बावजूद उनका यह कदम कई सवाल खड़े कर रहा है।

IT रेड और घटना का सिलसिला-

सूत्रों के मुताबिक, कॉन्फिडेंट ग्रुप के ऑफिस और उससे जुड़े ठिकानों पर पिछले तीन दिनों से इनकम टैक्स विभाग की तलाशी चल रही थी। शुक्रवार को जब यह दर्दनाक घटना हुई, उस समय मौके पर कोई भी IT अधिकारी मौजूद नहीं था। रॉय के आत्महत्या करने की सूचना मिलते ही आयकर अधिकारियों ने रेड की प्रक्रिया बीच में ही रोक दी और ऑफिस परिसर खाली कर दिया। बेंगलुरु पुलिस ने बताया कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और IT विभाग से सभी जरूरी दस्तावेज और जानकारी मांगी जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या रॉय पर किसी तरह का असामान्य दबाव था या उन्हें आत्महत्या के लिए उकसाया गया।

केरल से दुबई तक फैला कारोबार-

मूल रूप से केरल के रहने वाले सीजे रॉय ने रियल एस्टेट की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई थी। उनका कारोबार कर्नाटक, केरल और दुबई तक फैला हुआ था। कॉन्फिडेंट ग्रुप खास तौर पर केरल और कर्नाटक में बड़े हाउसिंग और कमर्शियल प्रोजेक्ट्स के लिए जाना जाता है। रॉय को एक आक्रामक लेकिन दूरदर्शी बिजनेसमैन माना जाता था। उन्होंने कम समय में रियल एस्टेट सेक्टर में बड़ा साम्राज्य खड़ा किया। हालांकि, हाल के वर्षों में रियल एस्टेट सेक्टर में मंदी, कानूनी विवाद और टैक्स से जुड़ी जांचें कई बड़े कारोबारियों के लिए सिरदर्द बनी हुई हैं।

परिवार का अस्पताल पहुंचना-

घटना के अगले दिन, शनिवार को सीजे रॉय की पत्नी और बेटा बेंगलुरु के बॉवरिंग अस्पताल के पोस्टमॉर्टम सेंटर पहुंचे। परिवार की हालत बेहद गमगीन बताई जा रही है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों और परिस्थितियों पर अंतिम टिप्पणी करने की बात कही है।

आत्महत्या या उकसावे का मामला?

बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर ने बताया कि कानूनी तौर पर यह तय किया जा रहा है कि मामले को अप्राकृतिक मौत के रूप में दर्ज किया जाए या आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराएं भी जोड़ी जाएं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि कॉन्फिडेंट ग्रुप के एक डायरेक्टर ने पहले ही पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस ऑफिस कैंपस से सबूत जुटा रही है। सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड्स, दस्तावेज़ और कर्मचारियों के बयान खंगाले जा रहे हैं। जांच अधिकारियों का कहना है कि रिकॉर्ड और बयानों की गहन पड़ताल के बाद ही तस्वीर साफ होगी कि रॉय ने यह कदम क्यों उठाया।

बड़े सवाल-

यह घटना एक बार फिर यह सवाल उठाती है कि क्या बड़े कारोबारियों पर जांच एजेंसियों की कार्रवाई का मानसिक दबाव इतना गहरा होता है कि वे ऐसा कठोर कदम उठा लें। साथ ही, यह भी चर्चा का विषय है कि करोड़ों की दौलत, ताकत और रुतबे के बावजूद मानसिक तनाव और डर इंसान को किस हद तक तोड़ सकता है। फिलहाल, सीजे रॉय की मौत ने कॉन्फिडेंट ग्रुप के भविष्य और चल रही IT जांच को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है। पुलिस और आयकर विभाग की जांच पूरी होने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि यह सिर्फ एक आत्महत्या का मामला है या इसके पीछे कोई और वजह छिपी है।

अमेरिका में डंकी रूट से अवैध प्रवेश: रोजाना 65 भारतीय पकड़े गए

नई दिल्ली । अमेरिका में डंकी रूट के जरिए अवैध प्रवेश करने वाले भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बीते एक साल यानी जनवरी से दिसंबर 2025 तक अमेरिकी बॉर्डर एंड कस्टम ने रोजाना औसतन 65 भारतीयों को पकड़ लिया। सालभर में कुल 23,830 भारतीय इस रास्ते से पकड़े गए। हालांकि, अधिकारियों के अनुसार इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पाई है, और कुछ मामलों में अभी भी लोग अमेरिका में प्रवेश कर पा रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में 2024 में इस तरह पकड़े गए भारतीयों की संख्या 85,119 थी। इस साल एक नया ट्रेंड देखा गया है। 2025 में पकड़े गए सभी भारतीय अकेले ही अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। कोई भी भारतीय परिवार के साथ नहीं पकड़ा गया। जबकि 2024 में पकड़े गए लगभग 20 हजार भारतीय भाई, पत्नी या बच्चों के साथ अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे थे। पूर्व वर्षों की तुलना में 2025 में अब अमेरिका में प्रवेश के लिए तुर्किये और दुबई रूट का इस्तेमाल बढ़ गया है। पहले ज्यादातर भारतीय कनाडा और मैक्सिको बॉर्डर से अवैध प्रवेश करते थे। 2025 में कनाडा बॉर्डर से 6,968 और मैक्सिको बॉर्डर से 1,543 भारतीय पकड़े गए। वहीं, दूसरे अमेरिकी शहरों से 15,319 भारतीय पकड़े गए। अधिकारियों के अनुसार तुर्किये-दुबई रूट के जरिए फ्लाइट द्वारा सीधे अमेरिका में प्रवेश कराया जाता है। ज्यादातर लोग वेकेशन वीजा पर अमेरिका में प्रवेश करते हैं और फिर अपनी स्टे अवधि को पार कर अवैध रूप से रह जाते हैं। अमेरिका ने 2025 में कुल 3,254 भारतीयों को डिपोर्ट किया। यह संख्या 2009 के बाद सबसे ज्यादा है। पिछले 16 सालों में कुल 18,882 भारतीयों को अमेरिका से डिपोर्ट किया गया है। अमेरिका जाने के लिए डंकी रूट तीन मुख्य चरणों में पूरा होता है। पहला और सबसे खतरनाक रास्ता कनाडा के माध्यम से अमेरिका पहुंचने का है। सबसे पहले डंकी को कनाडा का टूरिस्ट वीजा लेना पड़ता है। वीजा मिलने के बाद वह भारत से कनाडा के टोरंटो पहुंचता है। टोरंटो पहुंचने पर डंकी को एजेंट के कॉल का इंतजार करना पड़ता है और कई दिनों तक होटल में रुकना पड़ता है। इसके बाद एजेंट उसे टोरंटो से लगभग 2,100 किलोमीटर दूर मनितोबा प्रॉविंस ले जाता है। मनितोबा में सर्दी इतनी ज्यादा होती है कि आंखों से निकले आंसू पलकों पर जम जाते हैं। फिर डंकी को मनितोबा से 1,834 किलोमीटर दूर एमरसन गांव ले जाया जाता है, जो कनाडा और अमेरिका बॉर्डर के पास स्थित है। यहां से डंकी -40 डिग्री की जानलेवा ठंड में पैदल चलकर अमेरिका में प्रवेश करता है। इस रास्ते में बर्फ घुटनों तक जमा होती है और दूर-दूर तक कोई इंसान नजर नहीं आता। डंकी अंततः 49वें पैरलल बॉर्डर पर अमेरिका में प्रवेश करता है। विशेषज्ञों के अनुसार डंकी रूट पर जाने वाले अधिकांश लोग बेहद जोखिम उठाते हैं। कई बार सर्दी, भूख और थकावट के कारण लोग रास्ते में ही घायल हो जाते हैं। इसके बावजूद यह रूट अब भी लोकप्रिय है, क्योंकि सीधे वीजा और फ्लाइट रूटों के मुकाबले इसमें कम दस्तावेजी जाँच होती है।

ट्रम्प की धमकी के बीच ईरान ने 1000 ड्रोन तैयार करने का दावा, अमेरिका के खिलाफ तैयार

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी के बीच ईरान ने कहा है कि उसने जमीन और समुद्र से हमला करने वाले 1000 ड्रोन तैयार कर लिए हैं। ईरानी सेना ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने हमला किया तो उसके ड्रोन और मिसाइल इन हमलों को नाकाम करने में सक्षम होंगे। 28 जनवरी को ट्रम्प ने ईरान से परमाणु कार्यक्रम पर फिर से समझौता करने की मांग की और चेतावनी दी कि ऐसा न होने पर अगला अमेरिकी हमला पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी युद्धपोत ईरान की तरफ बढ़ रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने स्पष्ट किया कि सेना किसी भी सैन्य आदेश के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान के सेना प्रमुख मेजर जनरल अमीर हातामी ने बताया कि जून 2025 में अमेरिका और इजराइल के साथ हुए 12 दिन के संघर्ष के बाद ईरानी सेना ने अपनी रणनीति बदल दी है। अब बड़ी संख्या में ड्रोन तैयार किए गए हैं, जिन्हें जमीन और समुद्र दोनों जगह से ऑपरेट किया जा सकता है। इसके अलावा ईरान के पास पहले से ही बड़ी संख्या में बैलिस्टिक मिसाइलें मौजूद हैं। हातामी ने कहा कि ईरान जरूरत पड़ने पर जून 2025 की तरह कतर में अमेरिकी ठिकानों और इजराइल पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर सकता है। इसके लिए हाल ही में ईरान ने अपने ड्रोनवाहक पोत "शाहिद बाघेरी" को समुद्र में तैनात किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान की यह तैयारी अमेरिका और मध्य-पूर्व में उसके सहयोगियों के लिए गंभीर चुनौती साबित हो सकती है। ट्रम्प की धमकी और ईरान की जवाबी तैयारियों के बीच क्षेत्रीय तनाव बढ़ता जा रहा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसे लेकर चिंता जता रहा है। इस तरह, अमेरिकी-ईरानी तनातनी अब ड्रोन और मिसाइलों के युद्ध की संभावना को लेकर और गहरी हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की धमकी के बीच ईरान ने दावा किया है कि उसने जमीन और समुद्र से हमला करने वाले 1000 ड्रोन तैयार कर लिए हैं।

जम्मू-कश्मीर में चिल्लई कलां खत्म, राजस्थान और यूपी में कोहरे-सर्दी का कहर

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर में सर्दी का 40 दिन का कड़ा चरण जिसे स्थानीय भाषा में चिल्लई कलां कहा जाता है, शुक्रवार को समाप्त हो गया। इस अवधि में राज्य के कई हिस्सों में तापमान लगातार 0°C से नीचे बना रहता है और लोगों के लिए यह बेहद कठिन समय होता है। चिल्लई कलां के खत्म होने के बाद राज्य के कई इलाकों में रात के न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी देखी गई। उदाहरण के लिए, श्रीनगर का तापमान गुरुवार रात -0.6°C था, जो शुक्रवार को बढ़कर 1.30°C हो गया। हालांकि, हिमालयी क्षेत्रों में अभी भी कड़ाके की ठंड बनी हुई है और बर्फबारी का दौर जारी है। वहीं, राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में नेशनल हाईवे-58 पर घने कोहरे के कारण पांच वाहन टकरा गए। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई, जबकि कई लोग घायल हुए। मौसम विभाग ने पूरे राज्य में सर्दी और कोहरे को लेकर चेतावनी जारी की है। राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश में भी सर्दी और कोहरे ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश और ओलावृष्टि के बाद तापमान में गिरावट आई है, जिससे उत्तर प्रदेश के लगभग 30 जिलों में कोहरे और सर्दी का अलर्ट जारी किया गया है। आगरा में घने कोहरे के कारण सड़क हादसे में बाइक सवार की भी मौत हो गई।

मौसम विभाग की भविष्यवाणी और अगले दो दिनों का हाल:-

1 फरवरी को दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहेंगे और तापमान सामान्य से कुछ नीचे रहने की संभावना है। मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में बारिश की संभावना बनी हुई है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी जारी रह सकती है। बिहार और झारखंड में कोहरा छाया रहेगा, जिससे सुबह और देर रात के समय सड़कों पर आवाजाही के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। 2 फरवरी को मौसम का हाल लगभग समान रहेगा। दिल्ली-एनसीआर में बादलों की मौजूदगी रहेगी। मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में बारिश की संभावना बनी रहेगी। हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी की संभावना है। बिहार और झारखंड में कोहरा जारी रहेगा। इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों असम और मेघालय में भी बारिश की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय कोहरा और ठंड के चलते सड़क हादसों की संख्या बढ़ सकती है। इसलिए वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने और गति नियंत्रित रखने की सलाह दी जा रही है। साथ ही, बुजुर्ग और बच्चों को सुबह और रात के समय अधिक सर्दी से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने की आवश्यकता है। इस तरह, चिल्लई कलां के खत्म होने के बावजूद जम्मू-कश्मीर में ठंड पूरी तरह से नहीं गई है। वहीं, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में ठंड और कोहरे ने लोगों की आवाजाही कठिन बना दी है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों का पालन करना इस समय सभी के लिए महत्वपूर्ण है। आगामी दिनों में बदलते मौसम के अनुसार सावधानी बरतने की जरूरत है, ताकि दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से बचा जा सके।

सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी CM बनने जा रही हैं

-NCP के दोनों गुटों का विलय भी समीप

मुंबई/बारामती । महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। दिवंगत नेता अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को डिप्टी मुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। शनिवार सुबह सुनेत्रा पवार मुंबई पहुंच चुकी हैं और फिलहाल अजित पवार के आधिकारिक आवास 'देवगिरी' में मौजूद हैं। उनके साथ बेटे पार्थ पवार भी हैं। माना जा रहा है कि शनिवार शाम करीब 5 बजे उनका शपथग्रहण हो सकता है। यदि ऐसा होता है, तो सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी मुख्यमंत्री बन जाएंगी। सुनेत्रा पवार की उम्र 62 वर्ष है और फिलहाल वे महाराष्ट्र विधानसभा के किसी भी सदन की सदस्य नहीं हैं। हालांकि वे वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं। शनिवार दोपहर 2 बजे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के विधायक दल और विधान परिषद सदस्यों की संयुक्त बैठक प्रस्तावित है। इस बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुने जाने की संभावना है। इसके बाद उनके नाम का औपचारिक ऐलान कर डिप्टी सीएम पद की शपथ दिलाई जा सकती है। अगर सुनेत्रा पवार डिप्टी सीएम बनती हैं, तो उन्हें राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना होगा, जिससे यह सीट खाली हो जाएगी। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, इस खाली होने वाली राज्यसभा सीट पर अजित पवार के बड़े बेटे पार्थ पवार को भेजे जाने की तैयारी है। हालांकि इस पर न तो पार्टी की ओर से और न ही पवार परिवार की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि की गई है। गौरतलब है कि 28 जनवरी को बारामती में हुए एक विमान हादसे में अजित पवार का निधन हो गया था। उनके निधन के बाद महाराष्ट्र में डिप्टी मुख्यमंत्री का पद रिक्त हो गया था। अजित पवार के पास डिप्टी सीएम के साथ-साथ वित्त, आबकारी और खेल जैसे अहम विभाग भी थे। सूत्रों का कहना है कि वित्त मंत्रालय फिलहाल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस अपने पास रख सकते हैं, जबकि अन्य विभागों में फेरबदल संभव है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच NCP के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। दावा किया जा रहा है कि अजित पवार अपने जीवनकाल में ही शरद पवार गुट और अपने गुट के विलय को लेकर बातचीत कर रहे थे। इस विलय पर अंतिम फैसला अब शरद पवार लेंगे। अजित पवार के निधन के बाद शरद पवार ने पहली बार सुनेत्रा पवार के संभावित शपथग्रहण और पार्टी विलय को लेकर सार्वजनिक बयान दिया है। शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शरद पवार ने कहा, "डिप्टी सीएम पद के लिए सुनेत्रा पवार का नाम दिया गया है, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। यह उनकी पार्टी का फैसला होगा। मैंने यह खबर आज अखबार में देखी।" उन्होंने यह भी कहा कि प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं ने कुछ फैसलों को आगे बढ़ाने की पहल की है। शरद पवार ने यह भी स्पष्ट किया कि NCP के दोनों गुटों का एकजुट होना उनके दिवंगत भतीजे अजित पवार की इच्छा थी। उन्होंने कहा, "हमें लगता है कि अब उनकी इच्छा पूरी होनी चाहिए। अजित पवार, शशिकांत शिंदे और जयंत पाटिल ने दोनों गुटों के विलय पर बातचीत शुरू की थी। विलय की तारीख भी तय हो गई थी, जो 12 फरवरी को निर्धारित थी। दुर्भाग्य से, उससे पहले ही अजित पवार हमें छोड़कर चले गए।" सुनेत्रा पवार की राजनीतिक यात्रा पर नजर डालें तो वे लंबे समय तक राजनीति में लो-प्रोफाइल रहीं। 2024 के लोकसभा चुनाव तक उन्होंने सक्रिय राजनीति से दूरी बनाए रखी थी।

कनाडा-अमेरिका विवाद: अल्बर्टा अलगाववादियों से अमेरिकी अधिकारियों की मुलाकात

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। कनाडा और अमेरिका के बीच हाल ही में एक नया विवाद उत्पन्न हुआ है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों ने कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के अलगाववादी समूह के नेताओं से तीन बार मुलाकात की है। ये नेता अल्बर्टा को कनाडा से अलग कर स्वतंत्र देश बनाने की वकालत कर रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों की इन बैठकों को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गंभीरता से लिया है। प्रधानमंत्री कार्नी ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को फोन करके कनाडा की संप्रभुता और आंतरिक मामलों का सम्मान करने का आग्रह किया। कार्नी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी प्रशासन किसी भी तरह से कनाडा के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अल्बर्टा की अलगाववादी गतिविधियों में विदेशी हस्तक्षेप अस्वीकार्य है। अलगाववादी समूह का नाम अल्बर्टा प्रॉस्पेरिटी प्रोजेक्ट (APP) है। यह संगठन अल्बर्टा की आजादी के लिए जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराने की मांग कर रहा है। APP के नेताओं का कहना है कि अल्बर्टा को कनाडा से अलग करके स्वतंत्र राष्ट्र बनाने की दिशा में यह कदम जरूरी है। APP के को-फाउंडर और नेता जेफ्री रथ ने अमेरिका से अल्बर्टा के अलग होने के लिए 500 मिलियन डॉलर की मदद की मांग की है। जेफ्री ने 23 जनवरी को X (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर यह जानकारी दी कि अगले महीने वे अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। जेफ्री रथ ने BBC से बातचीत में कहा कि अल्बर्टा के स्वतंत्र होने पर इस धनराशि का इस्तेमाल नए देश की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने इसे कर्ज के रूप में लेने की योजना भी बताई। इस विवाद ने कनाडा-अमेरिका के रिश्तों में तनाव पैदा कर दिया है।

पीएम मोदी ने वेनेजुएला से द्विपक्षीय संबंध मजबूत किए

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज से टेलीफोन पर बातचीत की। इस बातचीत में दोनों नेताओं ने भारत और वेनेजुएला के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर साझा करते हुए लिखा कि दोनों देशों ने सभी क्षेत्रों में साझेदारी को और गहरा करने, विस्तार देने और आने वाले वर्षों में संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के साझा विजन के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब वेनेजुएला में राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। 3 जनवरी 2026 को अमेरिका ने वेनेजुएला में एक सैन्य अभियान चलाया, जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया। अमेरिका में मादुरो और उनकी पत्नी के खिलाफ ड्रग तस्करी, नार्को-टेररिज्म और हथियारों से जुड़े मामलों में मुकदमा चल रहा है। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद 5 जनवरी 2026 को उप-राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई। उन्होंने साथ ही सेना के कमांडर-इन-चीफ का पद भी संभाला और देश में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी और कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिग्ज के बीच हुई यह बातचीत दोनों देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए, विशेष रूप से ऊर्जा, औद्योगिक निवेश और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दोनों नेताओं ने आने वाले समय में उच्चस्तरीय वार्ता और सहयोग को बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com